सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" ईश्वर को कुछ चढ़ाना चाहते हैं तो सिर्फ अपना अहंकार चढ़ाइए क्योंकि, अहंकार ही वो चीज है जो आपकी अपनी है, बाकी तो सब ईश्वर का ही दिया हुआ है...!! "
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-183 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 22 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

शराब-कोयला लेवी स्कैम : जेल में रामगोपाल के सामने अनवर और डडसेना को बिठाकर की पूछताछ

EOW ने आमने-सामने बैठाकर कराए बयान दर्ज, आज खत्म होगी रिमांड

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब और कोयला लेवी स्कैम मामले में EOW ने सेंट्रल जेल में कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल से आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की है। जेल में रामगोपाल के सामने इस मामले में पहले से गिरफ्तार अनवर ढेबर और उनके अकाउंटेंट देवेंद्र डडसेना को बिठाकर करीब 3 घंटे तक बयान दर्ज किए गए। अधिकारियों का मकसद लेन-देन, पैसे के लेन-देन और भूमिका को लेकर तीनों के बयानों का मिलान करना था।

सूत्रों के अनुसार एडह की टीम रामगोपाल और कारोबारी सूर्यकांत तिवारी से भी पूछताछ कर रही है। पूछताछ में स्कैम के नेटवर्क, पैसों के ट्रांजेक्शन और अन्य लोगों की भूमिका को लेकर सवाल किए जा रहे हैं।

आज खत्म होगी रिमांड

रामगोपाल अग्रवाल की पुलिस रिमांड बुधवार को समाप्त हो रही है। इसके बाद EOW उन्हें कोर्ट में पेश कर आगे की रिमांड की मांग कर सकती है। जानकारी के अनुसार ED भी इस मामले में रामगोपाल की कस्टोडियल रिमांड ले सकती है। एकमनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से पूछताछ करना चाहती है। फिलहाल EOW पूरे नेटवर्क को खंगालने और स्कैम में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने के लिए पूछताछ जारी रखे हुए है।

10 करोड़ की कथित टैक्स चोरी में स्टील कारोबारी गिरफ्तार, स्टेट जीएसटी की कार्रवाई

रायपुर। स्टेट जीएसटी विभाग ने 10 करोड़ रुपये की कथित टैक्स चोरी के मामले में बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए स्टील कारोबारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विजय यादव के रूप में हुई है। वह आयरन एवं स्टील स्क्रैप के कारोबार से जुड़ा है और रायपुर, दुर्ग सहित प्रदेश के कई जिलों में उसका व्यवसाय संचालित है।

विभाग को लंबे समय से विजय यादव द्वारा बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी किए जाने की जानकारी मिल रही थी। इसी आधार पर स्टेट जीएसटी की टीम ने उतई से उसे हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए रायपुर स्थित जीएसटी मुख्यालय लाया गया है।

अधिकारियों के अनुसार मुख्यालय में आरोपी से गहन पूछताछ जारी है। प्रारंभिक जांच में टैक्स चोरी से जुड़े नेटवर्क और अन्य संभावित मामलों से जुड़े महत्वपूर्ण खुलासे होने की उम्मीद है। स्टेट जीएसटी विभाग ने कहा है कि टैक्स चोरी में संलिप्त अन्य लोगों और फर्मों की भी जांच की जा रही है। विभाग द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पार्टी के दौरान विवाद, किन्नर तन्नू खान की संदिग्ध मौत

गले पर निशान और नाक से खून, हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

सकरी थाना क्षेत्र के जॉकी गांव में शनिवार देर रात पार्टी के दौरान हुए विवाद के बाद एक किन्नर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान तन्नू खान के रूप में हुई है। शव पर मिले निशानों से हत्या की आशंका जताई जा रही है।

पिकनिक में हुआ विवाद

जानकारी के अनुसार जॉकी गांव में किन्नर समुदाय के कुछ लोग पार्टी और पिकनिक के लिए एकत्र हुए थे। इसी दौरान तन्नू खान और रिया नामक किन्नर के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों का झगड़ा सड़क किनारे तक पहुंच गया। इसके कुछ देर बाद तन्नू खान सड़क किनारे मृत अवस्था में मिलीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतका के नाक से खून निकल रहा था और गले पर भी निशान थे। इससे गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस ने शुरू की जांच, कुछ लोग हिरासत में

सूचना मिलते ही सकरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिम्स अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने घटना में शामिल कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मौत के वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होंगे। सभी बिंदुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है।

किन्नर समुदाय ने की निष्पक्ष जांच की मांग

घटना की खबर फैलते ही बिलासपुर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किन्नर समुदाय के लोग सिम्स अस्पताल पहुंच गए। मृतका के साथियों ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दहेज प्रताड़ना से नवविवाहिता की आत्महत्या : फरार 2 आरोपी नंदिनी नगर पुलिस की गिरफ्त में

दुर्ग। थाना नंदिनी नगर क्षेत्र के ग्राम सहगांव में दहेज प्रताड़ना से तंग आकर नवविवाहिता द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में फरार चल रहे 2 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

क्या था मामला : 7 अप्रैल 2026 को ग्राम सहगांव निवासी एक नवविवाहिता ने ससुराल पक्ष के सदस्यों द्वारा लगातार दहेज की मांग और प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली थी। मामले की जांच के बाद थाना नंदिनी नगर में अपराध क्रमांक 206/2026 धारा 80(2), 3(5) इत्यादि के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। प्रकरण दर्ज होते ही आरोपी अपने घर से फरार हो गए थे। तब से पुलिस लगातार उनकी पतासाजी कर रही थी।

सिमगा से हुई गिरफ्तारी : मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी युवराज पटेल 29 वर्ष और ओम प्रकाश पटेल 58 वर्ष दोनों निवासी ग्राम सहगांव, सिमगा क्षेत्र में लुक-छिपकर रह रहे हैं। सूचना पर नंदिनी नगर पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

प्रताड़ना बनी आत्महत्या का कारण : पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों द्वारा नवविवाहिता से लगातार दहेज की मांग की जा रही थी और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। इसी मानसिक उत्पीड़न के कारण उसने आत्महत्या का कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि प्रकरण में अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

इस कार्रवाई में एसडीओपी धमधा के मार्गदर्शन में थाना नंदिनी नगर के अधिकारी और कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

नीट लीक पर संसद मार्च में लाठीचार्ज राहुल-प्रियंका-अखिलेश हिरासत में

विपक्ष ने मांगा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा, सरकार बोली- चर्चा को तैयार, इस्तीफे की शर्त गलत

आलोक तिवारी / नईदिल्ली

नीट पेपर लीक के खिलाफ मंगलवार को राजधानी में उग्र प्रदर्शन हुआ। छात्रों पर पुलिस के लाठीचार्ज के बाद राजनीति पूरी तरह गरमा गई। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने पीएम आवास पर धरना दिया। पीएम आवास पर किसी नेता प्रतिपक्ष का ऐसा धरना संभवतः पहली बार है। देर शाम राहुल, प्रियंका और अखिलेश को हिरासत में लिया गया। देर रात तीनों को छोड़ दिया गया। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और अन्य छात्र संगठनों ने जंतर-मंतर पर लगातार दूसरे दिन धरना जारी रखा। प्रदर्शन के दौरान दर्जनभर छात्र घायल हुए। इनमें 12 साल की छात्रा भी शामिल है।

सरकार 52 विपक्ष आमने-सामने

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक्स पर लिखा- "राहुल और कांग्रेस छात्रों को राजनीतिक हथियार बना रहे हैं। सरकार चर्चा को तैयार है, पर कांग्रेस सुर्खियां चाहती है।"

विपक्ष की मांग- पहले शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें, फिर संसद में चर्चा होगी। सरकार का कहना है- पहले चर्चा की मांग थी, अब इस्तीफे की शर्त जोड़ दी गई। जेपी नड्डा ने सीजेपी के प्रवक्ताओं से 10 मिनट की मुलाकात में मांगें सुनीं।

पीएम मोदी ने एनडीए बैठक में पेपर लीक को "घोर पाप" बताया। कहा 13 आरोपियों को जेल भेजा गया है। दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

संसद में 6-6 बार स्थगन

नीट लीक और राम मंदिर दान चोरी के आरोपों पर हंगामे से सोमवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही 6-6 बार स्थगित हुई। विपक्ष ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई।

7 राज्यों में विरोध, रायपुर में घेराव

मुंबई, वडोदरा, चेन्नई, पटना, जयपुर, चंडीगढ़ और रांची में प्रदर्शन हुए। रायपुर में कांग्रेस ने लोकभवन का घेराव किया। पुलिस बैरिकेडिंग और धक्का-मुक्की के बाद कार्यकर्ता बारिश में सड़क पर बैठ गए।

सोनिया गांधी मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचीं जहां प्रियंका को रखा गया था।

हाईकोर्ट और वांगचुक

दिल्ली हाईकोर्ट ने छात्रों पर बल प्रयोग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा 'हमें न घसीटें'। बुधवार को सुनवाई होगी। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अस्पताल से मेदांता शिफ्ट किया गया। उन्होंने अनशन जारी रखने का ऐलान किया है और शर्त रखी है कि सांसद अस्पताल आकर आश्वासन दें। पुलिस के अनुसार सोमवार को प्रदर्शनकारी संसद के रेलभवन गेट तक पहुंच गए थे। 14 साल बाद इतनी बड़ी भीड़ संसद तक पहुंची। नई दिल्ली में 9 बजे से 4 बजे तक इंटरनेट बंद रहा।

खरगे के बर्थ-डे के बहाने प्लान

कांग्रेस ने प्रदर्शन की रणनीति गोपनीय रखी। दोपहर 3 बजे राहुल, प्रियंका समेत तमाम नेता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के 84वें जन्मदिन के बहाने उनके आवास पर जुटे। वहां से करीब 500 मीटर दूर पीएम आवास पहुंचकर धरने पर बैठ गए। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बात की, पर बात नहीं बनी।

वेंटिलेटर पर छात्रा, आंख चोटिल

झारखंड की 21 साल की आदिवासी छात्रा साक्षी रामभनोहर लोहिया अस्पताल में वेंटिलेटर पर है। मध्यप्रदेश जबलपुर के इरशाद की आंख पैलेट इंज्यूरी से गंभीर रूप से घायल हुई है। सीजेपी के अनुसार 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारी अस्पताल में भर्ती हैं और 1 हजार से अधिक को चोटें आई हैं। पुलिस ने 5 आईपीएस समेत 118 पुलिसकर्मियों के घायल होने और 70 लोगों की हिरासत की पुष्टि की है।

अगला कदम

गृह मंत्री अमित शाह और धर्मेंद्र प्रधान के बीच साढ़े तीन घंटे बैठक हुई। दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने गृह सचिव से मुलाकात की। सरकार ने कहा दोषियों पर कार्रवाई जारी है, जबकि विपक्ष जवाबदेही की मांग पर अड़ा है।

काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे विपक्षी सांसद

संसद के मानसून सत्र के दौरान जहां विपक्ष सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है, वहीं दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों और युवा संगठनों का भारी प्रदर्शन जारी है। इस पूरे मुद्दे के विरोध में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और विपक्ष के तमाम सांसद काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे हैं। विपक्ष ने दोनों सदनों में NEET पेपर लीक और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर तुरंत विस्तृत चर्चा की मांग की है।

महिला की हत्या का खुलासा, दो आरोपी हुए गिरफ्तार

पैसों का लालच देकर महिला से दुष्कर्म का प्रयास, विरोध करने पर कर दी हत्या

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

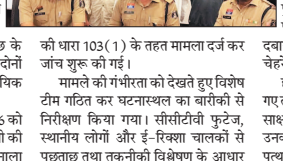

पुलगांव थाना क्षेत्र में महिला की हत्या के अंधे कत्ल का दुर्ग पुलिस ने चंद घंटों में खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और गहन पूछताछ के आधार पर आरोपियों की पहचान की। दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, 17 जुलाई 2026 को परिजनों ने भगवंतीन साहू की गुमशुदगी की सूचना दी। इसी दौरान पुलगांव नाला फलाईओवर के पास झाड़ियों में एक अज्ञात महिला का शव मिलने की सूचना मिली। जिला अस्पताल की मर्च्यूरी में परिजनों ने शव की पहचान भगवंतीन साहू के रूप में की। पोस्टमार्टम में सिर, चेहरे और हाथ पर गंभीर चोटों के साथ हत्या की पुष्टि होने पर पुलगांव थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित कर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय लोगों और ई-रिक्शा चालकों से पूछताछ तथा तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस का संदेह हर्ष यादव (19) निवासी पीसेगांव और नितेश ठाकुर (20) निवासी चंदखुरी पर गया। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि घटना के दिन दोनों शराब के नशे में थे। तहसील कार्यालय के पास उनकी मुलाकात महिला से हुई, जिसे पैसों का लालच देकर ई-रिक्शा से पुलगांव नाला स्थित सुनसान स्थान पर ले गए। वहां महिला के साथ जबरन दुष्कर्म का प्रयास किया गया। महिला द्वारा विरोध करने और पुलिस में शिकायत करने की बात कहने पर दोनों ने पहले गमछे से उसका गला दबाया और फिर बोल्डर पत्थर से सिर और चेहरे पर कई वार कर हत्या कर दी।

हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए तथा अपने कपड़े बदलकर और छिपाकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त बोल्डर पत्थर, वारदात के समय पहने गए कपड़े और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद कर लिए हैं।

दुर्ग पुलिस ने बताया कि प्रत्यक्ष, परिस्थितिजन्य, वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

दुर्ग सांसद विजय बघेल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ उत्तर मैसिडोनिया के राजकीय प्रवास में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-स्कोप्जे

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के उत्तर मैसिडोनिया के राजकीय प्रवास के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल में छत्तीसगढ़ से दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल भी शामिल हुए। स्कोप्जे में आयोजित औपचारिक स्वागत समारोह में सांसद विजय बघेल राष्ट्रपति के साथ उपस्थित रहे। इसके पश्चात उत्तर मैसिडोनिया की राष्ट्रपति श्रीमती Gordana Siljanovska Davkova के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता में भी वे सहभागी बने।

मैत्री व सहयोग पर सार्थक चर्चा

बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने पर सहमति बनी। चर्चा में व्यापार, निवेश, शिक्षा, संस्कृति और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को नई गति देने के बिंदुओं पर विशेष जोर दिया गया।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु के नेतृत्व में हुआ यह प्रवास भारत और उत्तर मैसिडोनिया के संबंधों में नए अध्याय की शुरुआत करेगा। दोनों देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक साझेदारी को बढ़ाकर आपसी विकास को मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रपति मुर्मु के इस यूरोपीय प्रवास को भारत की 'वैश्विक मित्रता' और आर्थिक कूटनीति को विस्तार देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसद बघेल की उपस्थिति से छत्तीसगढ़ की भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भागीदारी सुनिश्चित हुई है।

विकास कार्यों में विलंब पर लोकवि प्रभारी हुए सख्त, समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

दुर्ग निगम में लोक कर्म विभाग ने समीक्षा बैठक आयोजित कर शहर में चल रहे विकास और निर्माण कार्यों की प्रगति का किया विस्तृत आंकलन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग में लोक कर्म विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित कर शहर में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया। महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता लोक कर्म विभाग के प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

बैठक में नगर निगम के सभी जोनों में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए यह जानकारी दी गई कि कौन-कौन से कार्य पूर्ण हो चुके हैं, कौन से कार्य प्रगति पर हैं तथा किन परियोजनाओं का कार्यादेश जारी होने के बावजूद काम शुरू नहीं हो पाया है। लंबित कार्यों के कारणों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में नियोजन एवं लोक कर्म समिति के विभिन्न विषयों की भी समीक्षा की गई। इसमें शंकर नगर पानी टंकी क्षेत्र के सीमांकन एवं घेराबंदी, अग्रसेन चौक से श्री शिवम् तक शंकर नाला की सफाई, बोल्डर एवं गाद हटाने के लिए स्वास्थ्य विभाग को पत्र भेजने तथा नाला किनारे हुए अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी वार्डों में आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत, पार्षद निधि से सीसीटीवी कैमरों के संधारण एवं नए कैमरे लगाने, निगम में इंजीनियरों की

आवश्यकता तथा वार्ड क्रमांक 57 स्थित शंकर नाला के एनीकट की चौड़ाई बढ़ाकर जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान पर चर्चा की गई।

इसके अलावा वार्ड क्रमांक 34 में असामाजिक तत्वों द्वारा मलबा फेंकने पर रोक लगाने, सरस्वती नगर आवास की सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवाल निर्माण, नाली एवं पुलिया मरम्मत का प्राक्कलन तैयार करने, शास्त्री चौक तालाब के अतिरिक्त जल की निकासी को नाले से जोड़ने तथा महावीर पार्क के समीप नाली को सीधा कर जल निकासी व्यवस्था सुधारने के निर्देश भी दिए गए। अधोसंरचना मद से सड़क, नाली एवं बाउंड्रीवाल निर्माण तथा सभी वार्डों में डस्ट फिलिंग के लिए प्राक्कलन तैयार करने पर भी सहमति बनी।

प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने अधिकारियों से कहा कि जनहित से जुड़े सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और जिन परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब हो रहा है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तत्काल शुरू कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपने दायित्वों का समयबद्ध एवं जवाबदेही के साथ निर्वहन सुनिश्चित करें।

बैठक में कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन, गोविंद देवांगन, सरस निर्मलकर, आशीष चन्द्राकर, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, भवन अधिकारी प्रकाश चंद थवानी, मो. सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता संजय ठाकुर, हरिशंकर साहू, सुरेश केवलानी, पंकज साहू सहित नगर निगम के विभिन्न जोनों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खास खबर

दिल्ली में छात्रों पर लाठी चार्ज मोदी सरकार की दमनकारी नीति , लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास : धीरज बाकलीवाल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा नीट का पेपर लीक हो जाने के कारण 17 से अधिक छात्र, छात्राओं ने अपने प्राण गवा दिए 20 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं की मेहनत पर पानी फिर गया किंतु केंद्र कि मोदी सरकार अपनी जिम्मेदारी से दूर भाग कर छात्रों की भावनाओं व मेहनत के साथ कुठाराघात किया है छात्र न्याय मांग रहे हैं कि दोषी लोगों के ऊपर कार्रवाई की जाए और संबंधित मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दे किंतु केंद्र कि मोदी सरकार कान में रुई और आंखों में पत्ती बांधकर बैठी हुई है इसके विरोध में छात्र जंतर मंतर में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे जिसका समर्थन करने के लिए प्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक अनशन पर पर बैठे उन्हें भी बलात नजर बंद कर दिया गया।

जंतर मंतर से एकत्रित होकर छात्र केंद्र सरकार के खिलाफ न्याय की मांग और संबंधित मंत्री के इस्तीफा की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से संसद का घेराव करने के लिए जा रहे थे यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अपनी संवैधानिक मांगों को लेकर आगे बढ़ रहे छात्रों पर मोदी सरकार के इशारे पर दिल्ली पुलिस द्वारा पर बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया जबकि आंदोलन में महिलाएं बच्चे बुजुर्ग भी शामिल थे उनको भी नहीं बक्शा गया जो की बहुत ही निंदनीय है। जबकि जननायक राहुल गांधी हमेशा छात्रों की आवाज बनकर केंद्र सरकार को जगाने का काम किया है शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए राहुल जी जगह-जगह छात्रों के बीच जाकर शिक्षा की उन्नति के लिए उनकी भावनाओं से अवगत होकर उनके साथ खड़े हैं।

जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि कोलकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हर नागरिक का मौलिक अधिकार है छात्रों पर लाठी चलवा कर केंद्र सरकार अपनी नाकामी छुपाने का प्रयास कर रही है। हमारी मांग है कि लाठी चार्ज में दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कड़ी कारवाई की जाए,घायल छात्रों का समुचित इलाज व मुआवजा दिया जाए,सरकार छात्रों से तत्काल वार्ता कर उनकी न्याय संगत मांगों का समाधान करें।

महिला का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म, बालोद में सड़क किनारे बेसुध मिली महिला, तीन ट्रक चालकों पर आरोप

बालोद। बालोद जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक महिला का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। यह मामला सामने आते ही हड़कंप मच गया। महिला सड़क किनारे बेसुध मिली और अस्पताल पहुंचने के बाद उसने तीन ट्रक चालकों द्वारा उसके साथ हुए दुष्कर्म किए जाने की बात बताई। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार महिला कांकेर की रहने वाली है। बालोद से दल्लीराजहरा जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित पर्यावरण पार्क के पास महिला बेसुध अवस्था में पड़ी मिली थी। स्थानीय लोगों ने डायल 112 को सूचना दी। मौके पर पहुंची 112 की टीम ने लोगों की मदद से महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान जब पुलिस ने महिला का बयान दर्ज कराया तो चौंकाने वाली बात सामने आई। महिला ने अपने बयान में बताया कि तीन अज्ञात ट्रक चालकों ने उसका अपहरण किया और उससे दुष्कर्म किया। महिला के बयान के आधार पर कोतवाली थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस इस वारदात में तीनों ट्रक चालकों की तलाश में जुट गई है। आरोपियों की पहचान के लिए आसपास के सीसी टीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

बारिश में भी डटे रहे आंदोलनरत अतिथि शिक्षक

सड़क पर धरना ; शिक्षा सचिव से बातचीत के बाद आंदोलन किया स्थगित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनरत अतिथि शिक्षकों ने मंगलवार को आंदोलन को और तेज करते हुए शिक्षा मंत्री के सेवा सदन कार्यालय का घेराव किया। बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष अतिथि शिक्षक रैली निकालकर सेवा सदन पहुंचे और कार्यालय के सामने सड़क पर धरने पर बैठ गए। लगातार हो रही बारिश के बावजूद आंदोलनकारी पूरी रात सड़क पर डटे रहे। कई शिक्षक अपने छोटे बच्चों के साथ धरने में शामिल हुए।

धरना स्थल पर अतिथि शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि वर्षों से वे अपनी समस्याओं को शासन के समक्ष रखते आ रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। आंदोलनकारियों ने कहा कि अब उनकी लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है और "या तो नियमीकरण होगा या फिर नौकरी से इस्तीफा देंगे।"

अतिथि शिक्षकों का कहना है कि वे नियमित शिक्षकों की तरह ही विद्यालयों में पढ़ाने का कार्य करते हैं, लेकिन उन्हें केवल 20 हजार रुपये मानदेय दिया जाता है, जबकि नियमित शिक्षकों का वेतन 40 से 50 हजार रुपये तक है। उन्होंने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान दो माह का मानदेय भी नहीं मिलता, जिससे आर्थिक संकट और बढ़ जाता है। दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में सेवाएं देने के बावजूद उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है।

मंगलवार सुबह से ही रही तेज बारिश भी आंदोलनकारियों का हौसला नहीं डिगा सकी। बारिश के बीच भी शिक्षक सेवा सदन के सामने डटे रहे। बाद में जिला प्रशासन के अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से चर्चा की और बताया कि उनके प्रतिनिधिमंडल की रायपुर में शिक्षा सचिव के साथ बैठक तय कर दी गई है।

प्रशासन के आग्रह पर अतिथि शिक्षकों ने प्रतिनिधिमंडल को रायपुर भेजने का निर्णय लिया और सेवा सदन के सामने चल रहा धरना फिलहाल स्थगित कर दिया। हालांकि उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यदि शिक्षा सचिव के साथ होने वाली बैठक में उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन पहले से अधिक उग्र रूप में फिर शुरू किया जाएगा। अब अतिथि शिक्षकों की मांगों को लेकर रायपुर में होने वाली शिक्षा सचिव के साथ बैठक पर सभी की निगाहें टिकी हैं। बैठक के परिणाम के आधार पर आंदोलन की आगामी रणनीति तय की जाएगी।

वर्षों से सेवा दे रहे विद्यामितान शिक्षकों के हितों की लगातार कर रही है अनदेखी

राज्य अतिथि शिक्षक संघ के हड़ताल प्रमुख एवं मुख्य संरक्षक धर्मेंद्र दास वैष्णव, जो कोंडागांव जिले के केशकाल ब्लॉक के एक नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पदस्थ हैं, उन्होंने कहा कि जिन गांवों तक कभी सड़कें नहीं थीं, वहां अतिथि शिक्षकों ने शिक्षा की अलख जगाई और कई विद्यार्थियों को इंजीनियर, वकील तथा अन्य पेशों तक पहुंचाया। इसके बावजूद सरकार अब तक संविलियन या समायोजन पर कोई ठोस निर्णय नहीं ले सकी है। उन्होंने कहा कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि स्थायी समाधान की आवश्यकता है। प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने आत्मानंद और विवेकानंद विद्यालयों का उदाहरण देते हुए कहा कि पूर्व में आत्मानंद स्कूलों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को बेहतर वेतन और सुविधाएं दी गई थीं, जबकि वर्तमान सरकार विवेकानंद विद्यालयों में भी इसी प्रकार की व्यवस्था कर रही है। उनका आरोप है कि वर्षों से सेवा दे रहे विद्यामितान शिक्षकों के हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी मांग किसी विशेष सुविधा की नहीं, बल्कि समान कार्य के लिए समान वेतन, सेवा सुरक्षा और सम्मानजनक भविष्य की है।

इससे पहले भी अतिथि शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर शिक्षा मंत्री के नाम खून से पत्र लिखकर इच्छामृत्यु की मांग की थी। उनका कहना था कि यदि सरकार उनके भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकती तो उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार भी नहीं मिल रहा है। इधर, दुर्ग प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अतिथि शिक्षकों की मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विद्यामितान शिक्षकों के मामले में जो भी उचित होगा, सरकार उस पर निर्णय लेगी।

रेम्प योजना : ऋण लेकर कैसे करें व्यापार कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दी जानकारी

भिलाई चेम्बर का कर्मकार व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर कल से स्वावलंबन केंद्र चेम्बर कार्यालय बैकुंठ धाम में होगा प्रारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सीएसआईडी द्वारा मंगलवार को उद्यमियों एवं व्यापारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य रेम्प योजना के अंतर्गत उपलब्ध ऋण सुविधाओं की जानकारी देकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को व्यापार विस्तार के लिए प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रतिस्पर्धा के दौर में व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेना आवश्यक है। रेम्प योजना उद्यमियों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने, आधुनिक तकनीक अपनाने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने व्यापारियों से योजनाओं की सही जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि पहले परिवार का एक सदस्य कमाता था उससे पूरा परिवार पलता था लेकिन आज परिवार के सभी सदस्यों को व्यापार में मेहनत करनी होगी तभी हम विकसित भारत के स्वप्न को पूर्ण कर पाएंगे। कार्यशाला में जिला उद्योग केंद्र से एसए खान ने रेम्प योजना, ऋण प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं भास्कर फाउंडेशन से अतुल सिंह ने उद्यमियों को योजनाओं का प्रभावी उपयोग करने एवं व्यवसाय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित उद्यमियों एवं व्यापारियों ने विशेषज्ञों से अपने प्रश्न पूछे तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के संबंध में उपयोगी जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई तथा प्रतिभागियों ने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने बताया कि भिलाई चेम्बर द्वारा आयोजित कर्मकार व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर 23 जुलाई से स्वावलंबन केंद्र चेम्बर कार्यालय बैकुंठ धाम में प्रारंभ होगा। यह जानकारी प्रचार प्रभारी शंकर सचदेव ने दी।

श्री जगन्नाथ के भजनों ने बांधा समां, श्रद्धालु झूमे, उत्कृष्ट गायन के लिए कलाकार हुए सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जगन्नाथ समिति, सेक्टर-4 के तत्वाधान में सेक्टर-10 में निर्मित भव्य गुण्डिचा मंडप में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित हो रहे हैं। गीत संगीत का आनंद उठा रहे हैं। महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी के रथयात्रा महोत्सव के तहत आयोजित संगीत संध्या में "तराना" ग्रुप के कलाकारों ने श्री जगन्नाथ भजन और भक्ति संगीत प्रस्तुत कर दर्शकों से खूब तालियां बटोरी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जगन्नाथ समिति के अध्यक्ष वीरेन्द्र सतपथी एवं समिति के महासचिव सत्यवान नायक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सुश्री निकिता साहू ने श्री जगन्नाथ के सुप्रसिद्ध उड़िया भजनों की प्रस्तुति से खूब वाही लूटी। "तराना" ग्रुप के कलाकारों ने

अपनी प्रस्तुति से समा बांध दिया। श्री जगन्नाथ जी पर आधारित गीतों ने भक्तों को भाव विभोर कर दिया। उड़िया व हिंदी भजनों का उपस्थित दर्शकों ने आनंद उठाया।

अवसर पर समिति के अध्यक्ष वीरेन्द्र सतपथी एवं समिति के महासचिव सत्यवान नायक द्वारा सभी गायकों का प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। ओड़िआ भजन की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए गायिका डॉ निकिता साहू को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। श्री नायक ने श्री जगन्नाथ रथयात्रा के महात्म्य में पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।

सफल बनाने में इनका रहा योगदान

: इस उत्सव को सफल बनाने में जगन्नाथ समिति के अध्यक्ष वीरेन्द्र सतपथी व महासचिव सत्यवान नायक सहित समिति के पदाधिकारी त्रिनाथ साहू, भीम स्वांई, अनाम नाहक, डी त्रिनाथ, बसंत प्रधान, बीसी बिस्वाल, वृंदावन स्वांई, कालू बेहेरा, सुशांत सतपथी,रंजन महापात्र, प्रकाश स्वांई, राजू बेहेरा, कवि बिस्वाल, सीमांचल बेहेरा,वी के होता, कैलाश पात्रो, बीस केशन साहू,एस दलाई ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।इस उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रस्तावित बायो गैस व सीएनजी प्लांट का ग्रामीणों ने किया विरोध

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्राम पंचायत खेरघा में प्रस्तावित बायो गैस/सीएनजी प्लांट के निर्माण के विरोध में सैकड़ों ग्रामीणों ने जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में कलेक्टर दुर्ग को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने जनभावनाओं, पर्यावरणीय प्रभाव और चरागाह भूमि की सुरक्षा का हवाला देते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी की।

ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि जिस भूमि पर प्लांट स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, उसका उपयोग वर्षों से ग्रामीणों एवं आसपास के गांवों के पशुओं के लिए चरागाह के रूप में किया जाता रहा है। उनका कहना है कि यहां प्लांट बनने से पशुपालकों के सामने चारे का गंभीर

संकट खड़ा हो जाएगा और पारंपरिक चराई व्यवस्था प्रभावित होगी।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पूरी प्रक्रिया के दौरान ग्राम सभा और ग्राम पंचायत द्वारा दर्ज कराई गई आपत्तियों को तहसीलदार द्वारा खारिज कर दिया गया, जो उनके अनुसार पेसा अधिनियम तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों की भावना के विपरीत है।

ज्ञापन में यह भी कहा गया कि प्रस्तावित प्लांट के संचालन से दुर्गंध, प्रदूषण, भूजल पर प्रतिकूल प्रभाव और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी आपत्तियों एवं सुझावों का समुचित निराकरण किए बिना निर्माण कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है, जो जनहित के विरुद्ध है।

इस दौरान जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों, ग्रामीणों और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ग्रामीणों की जायज मांगों की अनदेखी करता है तो कांग्रेस ग्रामीणों के साथ मिलकर लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करेगी। उन्होंने मांग की कि सभी आपत्तियों के निराकरण और ग्रामीणों की सहमति मिलने तक निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाए।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के अध्यक्ष राकेश ठाकुर, युवा कांग्रेस अहिवारा विधानसभा अध्यक्ष हेमंत साहू, नारधा मंडल कांग्रेस के नरेश कुमार उपाध्याय, सरपंच जितेंद्र टंडन, ग्राम पटेल मंगलू सिन्हा, नवाब अली, अरुण साहू, महेंद्र साहू, रवि चेलक, दया साहू सहित पंचगण, बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बेटियों की शिक्षा को मिलेगी नई गति-विधायक चंद्राकर

शाउमा विद्यालय डुंडेरा की 31 छात्राओं को मिली सरस्वती योजना की साइकिलें

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डुंडेरा में मंगलवार को सरस्वती निःशुल्क साइकिल योजना के तहत कक्षा 9वीं की 31 छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने छात्राओं को साइकिल सौंपते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अपने संबोधन में विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि सरस्वती निःशुल्क साइकिल योजना राज्य सरकार की ऐसी महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि साइकिल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, जिससे उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ेगी और शिक्षा की राह आसान होगी।

उन्होंने छात्राओं से मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ पढ़ाई करने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षित बेटी ही परिवार, समाज और

प्रदेश के विकास की मजबूत आधारशिला बनती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और समावेशी बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, समय पर निःशुल्क पुस्तक एवं गणवेश वितरण, अतिरिक्त पौष्टिक आहार, नियमित पालक-शिक्षक बैठक, न्योता भोज तथा भारतीय संस्कृति आधारित विभिन्न नवाचारों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का वातावरण तैयार किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मरोदा पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू राकेश जंघेल, विधायक प्रतिनिधि गोविन्द साहू, पार्षद विक्की चंद्राकर, हरीश नायक, महामंत्री रोहित धनकर, पुनाराम कलिहारी, इंद्रजीत सोनी, प्रेम नारायण वर्मा, केशव महिपाल, योगेश महिपाल, नारायण निर्मलकर, हर्ष चंद्राकर, दुर्गेश साहू, नंदकुमार साहू, प्राचार्य सरिता मसी, व्याख्याता रमा अग्निहोत्री, राम मिलन सिन्हा, जे. संजय, आर.आर. घर, संगीता आनंद सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं पालक उपस्थित रहे।

वन मंडल ने की बड़ी कार्रवाई : 20 घनमीटर अवैध साल लकड़ी बरामद, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से अंतर-जिला लकड़ी तस्करी का खुलासा, वन संपदा संरक्षण के प्रति विभाग की सख्ती

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-कोरबा

छत्तीसगढ के कोरबा वन मंडल ने लकड़ी की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए लगभग 20 घनमीटर अवैध साल लकड़ी बरामद की है। वन विभाग की रणनीतिक कार्रवाई और रायपुर वन मंडल के सहयोग से अंतर-जिला स्तर पर संचालित तस्करी के मामले का खुलासा हुआ। मुख्य आरोपी सुनील कुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

वन विभाग कोरबा को सूचना मिली थी कि कोरबा से अवैध रूप से साल लकड़ी का परिवहन कर उसे रायपुर के अभनपुर स्थित एक आरा मिल में बेचा गया है। सूचना के आधार पर विभाग ने जांच शुरू की और संदिग्ध से पूछताछ की। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अधिकारियों को गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन सख्ती से

पूछताछ करने पर उसने लकड़ी को अभनपुर स्थित आरा मिल में बेचने की बात स्वीकार कर ली।

पांच वन परिक्षेत्र अधिकारियों की संयुक्त टीम ने की छापेमारी : आरोपी की निशानदेही पर कोरबा वन मंडल ने पांच वन परिक्षेत्र अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर अभनपुर स्थित आरा मिल में छापेमारी की। जांच के दौरान चोरी की गई 20 घनमीटर साल लकड़ी बरामद की गई। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और दस्तावेजीकरण किया गया।

आरा मिल सील, वाहन भी जब्त

रायपुर वन मंडल की टीम ने आरा मिल में बड़ी मात्रा में संदिग्ध वनोपज मिलने पर उसे सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान लकड़ी परिवहन में उपयोग किए जा रहे एक ट्रैक्टर, क्रेन सहित अन्य वाहनों को भी जब्त किया गया। बरामद लकड़ी को सुरक्षित रूप से कोरबा के कसनिया डिपो में जमा कराया गया।

वन विभाग और पुलिस का समन्वय बना सफलता की कुंजी

पूरी कार्रवाई वनमंडलाधिकारी प्रेमलता यादव के निर्देशन में की गई। इस दौरान रायपुर वनमंडलाधिकारी श्री लोकनाथ पटेल तथा कोरबा पुलिस प्रशासन के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा गया, जिससे कार्रवाई सफल रही।

वन संपदा की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

मामले में आरोपी के विरुद्ध शासकीय संपत्ति की चोरी और अवैध परिवहन से संबंधित प्रावधानों के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) और 316(5) के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वन विभाग ने कहा है कि प्रदेश की वन संपदा की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अवैध कटाई, परिवहन और तस्करी में शामिल लोगों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। यह कार्रवाई वन संपदा संरक्षण और अवैध वनोपज कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

खास खबर

भाजपा कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक, संगठन और जनहित के मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शिवप्रकाश, सीएम साय, किरण देव सहित शीर्ष नेतृत्व रहा मौजूद

भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ की कोर कमेटी एवं प्रदेश पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आज प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत मंथन किया गया। आने वाले समय में पार्टी की रणनीति, जनसंपर्क अभियान और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय सहित प्रदेश के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। पार्टी पदाधिकारियों ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की। बैठक में लिए गए निर्णयों के आधार पर प्रदेशभर में कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर जनसेवा और संगठन विस्तार के काम में तेजी लाने पर सहमति बनी।

योग के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश, योग आयोग के अध्यक्ष ने दिलाई शपथ

रायपुर-उत्तर बस्तर कांकेर। छत्तीसगढ़ शासन योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बस्तर प्रवास के दौरान जिले में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित संस्थाओं का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान वे विशेष विद्यालय कोदाभाट पहुंचे, जहां दिव्यांग विद्यार्थियों ने पुष्पगुच्छ एवं तिलक लगाकर उनका आत्मीय स्वागत किया। इसके अलावा विद्यार्थियों ने अपने हाथों से बनाया गया रेखाचित्र भेंट किया तथा गीत-संगीत की प्रस्तुति देकर सभी अतिथियों को प्रभावित किया। बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए अग्रवाल ने उन्हें नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने योग को स्वस्थ जीवन और नशामुक्त समाज का प्रभावी माध्यम बताते हुए लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इसके बाद अग्रवाल ने गोविंदपुर स्थित कल्याणी नशामुक्ति केंद्र पहुंचकर लाभार्थियों से चर्चा की तथा प्रतिदिन योग और ध्यान को जीवन का हिस्सा बनाने तथा नशे से दूर रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर सभी ने नशा मुक्ति की शपथ भी ली गई। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग की उपसंचालक क्षमा शर्मा सहित आशीष शोरी, राजकुमार पटेल, सीता नाग, गंगा नेताम एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षा ही सफलता का मूल मंत्र है, कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित ना रहे : मंत्री राजेश अग्रवाल

मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों, सेवानिवृत्त शिक्षकों व कर्मचारियों का हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-अंबिकापुर

समग्र शिक्षा शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन मंगलवार को अम्बिकापुर के पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंत्री अग्रवाल ने स्वयं घण्टी बजाकर नवप्रवेशी बच्चों को शाला प्रवेश करवाया।

इस दौरान नवप्रवेशी बच्चों का स्वागत तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर, मिठाई खिलाकर किया गया। कार्यक्रम में मंत्री अग्रवाल ने कहा कि यहां बच्चों के बीच उपस्थित होकर और उनको तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर, हम अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह हमारे बच्चों के सपनों, उनके उज्ज्वल भविष्य और शिक्षा का उत्सव है। शिक्षा ही वह माध्यम है जो समाज में कौशल, आत्मविश्वास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। शासन विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रयासरत है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, कोई बच्चा ड्रॉपआउट ना रहे। शिक्षा ही आज के समय में सफलता का मूल मंत्र है, इसके लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा। सरगुजा जैसे जनजाति बाहुल्य जिले में शिक्षा का महत्व और भी अधिक है, यहां पहाड़ी कोरवा समुदाय के जनजाति बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

हमारा उद्देश्य केवल बच्चों को नामांकन कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक बच्चा नियमित रूप से विद्यालय आए, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करे और अपने सपनों को साकार करे। उन्होंने बच्चों को कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि आपके व्यक्तित्व निर्माण की पाठशाला है। मन लगाकर पढ़ें, अपने माता-पिता, गुरुजनों और अपने जिले तथा प्रदेश का नाम रोशन करें। पालकों से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि वे बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें और बालक-बालिका दोनों को समान अवसर प्रदान करें। आइए हम सभी यह संकल्प लें कि सरगुजा जिले का कोई भी बच्चा विद्यालय से बाहर नहीं रहेगा, हम सब मिलकर शत-प्रतिशत नामांकन और नियमित उपस्थिति के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। उन्होंने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की बधाई दी।

छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने बच्चों को शिक्षा की ओर प्रेरित किया और उन्हें अच्छे से पढ़ाई करने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि इस प्रवेश उत्सव के माध्यम से हम नन्हें बच्चों में शाला जाने से पहले जो भय होता है, उसे भी दूर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा स्कूलों में बेहतर शिक्षा सुविधा देने का कार्य किया जा रहा है। भारत सिंह सिसोदिया ने शिक्षकों से बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देने की अपील की।

कलेक्टर अजीत वसंत ने बताया कि जिले में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य किए जा रहे हैं। भवन विहीन विद्यालयों में भवन की स्वीकृति दी गई है, बच्चों का जाति प्रमाणपत्र निर्माण कराया गया है, पीवीटीजी बच्चों को अगली कक्षा में प्रवेश दिलाया गया है, मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए बच्चों को रायपुर में प्राइवेट कोचिंग संस्थानों में प्रवेश दिलाया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में शिक्षकों की कमी नहीं है, इस हेतु अतिथि व्याख्याता की नियुक्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रायमरी विद्यालय के शिक्षक एक महत्वपूर्ण कड़ी है, शिक्षक इन बच्चों पर अधिक से अधिक ध्यान दें, यह उनके भविष्य की नींव है, जब नींव मजबूत होगा तभी भविष्य अच्छा होगा। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सब मिलकर शासकीय विद्यालयों का माहौल और बेहतर बनाएंगे, यही हमारा प्रयास रहेगा। जिला प्रशासन शिक्षा विभाग के साथ मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कार्य करेगा। कार्यक्रम स्कूली बच्चों के द्वारा बनाई गई दीवार पत्रिका का विमोचन किया गया।

शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर अतिथियों द्वारा कक्षा पहली, छठवीं एवं नवमी में प्रवेश लेने वाले नवप्रवेशी बच्चों को गणवेश, पाठ्यपुस्तकें, कॉपियां, बैग, अध्ययन सामग्री सहित जरूरी शैक्षणिक सामग्री वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिले के शिक्षा दूत पुरस्कार 2025-26 प्राप्त करने वाले 21 एवं ज्ञान दीप पुरस्कार 2025-26 प्राप्त करने वाले 03 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। शिक्षकों को शॉल, श्रीफल भेंट कर अतिथियों द्वारा बधाई दी गई।

निष्ठा और सेवा भाव से करें जनसेवा, विकसित छग के निर्माण में निभाएं महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजभवन रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ से अखिल भारतीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनसे जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय सेवाओं में चयनित होना केवल अभ्यर्थियों और उनके परिवार की नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा समाज और राष्ट्र के निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम है तथा इसमें कार्य करने वाले अधिकारियों को संवेदनशीलता, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि उन्हें लोगों की सेवा का जो अवसर मिला है, वह ईश्वर का आशीर्वाद और समाज का विश्वास है। इस अवसर का उपयोग आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने तथा प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में युवा प्रशासनिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी चयनित अभ्यर्थी अपनी प्रतिभा, कार्यकुशलता और सेवा भावना से छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस अवसर पर चयनित अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री से अपने अनुभव साझा किए तथा उनके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। सौजन्य मुलाकात के दौरान अखिल भारतीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों में सुष्मिता सिंह, वैभवी अग्रवाल, दर्शना सिंह बघेल, रौनक अग्रवाल, अजय गुप्ता, अंकित सकनी, डायमंड ध्रुव एवं संजय डहरिया सहित उनके परिजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्री परिषद की बैठक शुरू

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में मंत्री परिषद की बैठक प्रारम्भ हुई। बैठक में राज्य सरकार की आगामी योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही विभिन्न विभागों के प्रस्तावों पर भी मंत्रिमंडल विचार करेगा। सूत्रों के अनुसार बैठक में प्रदेश में चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा, किसानों और आम जनता से जुड़े मुद्दों तथा केंद्र की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भी चर्चा होगी। मंत्री परिषद की इस बैठक में सभी मंत्री उपस्थित हैं।

अब सहकारी समितियों के जरिए किसानों को मिलेगी 'ड्रोन स्प्रेयर' की सुविधा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने और किसानों को वैज्ञानिक खेती से जोड़ने की दिशा में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जिले की 5 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में 'ड्रोन स्प्रेयर' सुविधा की आधिकारिक शुरुआत की गई है। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने नवीन कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर इस महत्वाकांक्षी पहल का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित ड्रोन पायलटों ने बारिश की हल्की फुहारों के बीच ड्रोन स्प्रेयर का सफल प्रदर्शन किया। इस दौरान ड्रोन के माध्यम से उर्वरक और कीटनाशकों के सटीक छिड़काव, समय की बचत, कम लागत और बेहतर कृषि प्रबंधन की तकनीक को प्रदर्शित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि आज का दिन जिले के कृषि इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होने जैसा है। ड्रोन तकनीक से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में छिड़काव संभव होगा, जिससे रसायनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित होगा। साथ ही किसानों के श्रम और लागत में भारी कमी आएगी। खेतों में सीधे जाने की आवश्यकता न होने से फसलों को होने वाले नुकसान से भी बचाव होगा। उन्होंने आगे कहा कि 'ड्रोन दीदी' पहल से ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को कौशल विकास के साथ आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे।

मंत्री श्री वर्मा ने रासायनिक रसायनों के दुष्प्रभावों पर चिंता जताते हुए किसानों से जैविक व प्राकृतिक खेती की ओर लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारी प्राचीन कृषि परंपराएं ही सतत (सस्टेनेबल) खेती का आधार हैं। जैविक खेती से भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहती है और खाद्यान्न की गुणवत्ता में सुधार होता है।

जिले की बलौदाबाजार, कसडोल, बया, गिरां (पलारी) और दामाखेड़ा (सिमगा) सहकारी समितियों में फिलहाल 11 ड्रोन उपलब्ध कराए गए हैं। चालू वर्ष में सहकारिता विभाग ने ड्रोन के माध्यम से लगभग 50 हजार एकड़ क्षेत्र में छिड़काव का लक्ष्य तय किया है। किसानों को अपनी संबंधित समिति में जाकर छिड़काव की तिथि और रकबा (क्षेत्रफल) बताकर पर्ची कटवानी होगी। तय तिथि पर ड्रोन पायलट के साथ मशीन किसान के खेत पर पहुंचेगी। किसान को केवल खाद या कीटनाशक उपलब्ध कराना होगा। इसके लिए प्रति एकड़ एक निर्धारित शुल्क देय होगा।

कार्यक्रम में कलेक्टर ने बताया कि जिले की सभी समितियां अब पूर्णतः कंप्यूटरीकृत हो चुकी हैं। ये समितियां 'सीएससी' (उरउ) और मिनी बैंक के रूप में कार्य कर रही हैं, जहां माइक्रो एटीएम की सुविधा भी उपलब्ध है। अब किसानों को 10-20 हजार रुपये के आहरण के लिए बड़े बैंकों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष,सहित सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

कुपोषण और एनीमिया के खिलाफ जमीनी स्तर पर तंत्र को करें मजबूत : मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े

हर दिन आंगनबाड़ी केंद्रों का करें निरीक्षण, अधोसंरचना की समीक्षा करते हुए भवनविहीन, किराए के भवनों में संचालित, मरम्मत योग्य, निष्प्रयोज्य योग्य जर्जर भवनों की जानकारी ली

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-सूरजपुर

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने जिला सूरजपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा समाज कल्याण विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति का आकलन किया। बैठक में कलेक्टर रेना जमील, जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले सहित दोनों विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में मंत्री रजवाड़े ने विभाग की स्थापना संबंधी जानकारी लेते हुए रिक्त पदों की समीक्षा की तथा सभी परियोजनाओं में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों की अधोसंरचना की समीक्षा करते हुए भवनविहीन, किराए के भवनों में संचालित, मरम्मत योग्य, निष्प्रयोज्य योग्य जर्जर भवनों की जानकारी ली तथा निर्माणाधीन भवनों की प्रगति एवं भवन मरम्मत के लिए जारी राशि के व्यय की समीक्षा करते हुए सभी मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

मंत्री ने मीठा शक्ति आहार, नमकीन दलिया निर्माण, रेडी-टू-ईट खाद्य सामग्री के वितरण तथा उसकी गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केंद्रों के उन्नयन, पोषण ट्रैकर में नियमित प्रविष्टि तथा बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ कार्य कर जिले को कुपोषण एवं एनीमिया मुक्त बनाने का लक्ष्य प्राप्त करें।

उन्होंने कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत कुपोषित बच्चों एवं एनीमिक महिलाओं को लाभान्वित करने की प्रगति,

लक्षित हितग्राहियों के पर्यवेक्षण तथा चयनित स्व-सहायता समूहों की भूमिका की समीक्षा की। कुपोषण की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने तथा एनीमिक महिलाओं की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर तथा नवा विहान योजना की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री ने सभी परियोजनाओं में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

जिले में बाल विवाह की स्थिति की समीक्षा करते हुए मंत्री रजवाड़े ने बाल विवाह रोकने के लिए प्रभावी रणनीति अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरपंचों एवं सचिवों को विशेष प्रशिक्षण देकर विवाह तय होने की प्रारंभिक अवस्था में ही बाल विवाह रोकने की कारवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही किशोर-किशोरियों को कम उम्र में विवाह के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए।

उन्होंने प्रत्येक घर में मुनगा का पौधा लगाने तथा प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में मुनगा, हरी सब्जियों एवं पोषण वाटिका विकसित करने पर बल देते हुए कहा कि मुनगा की पौष्टिकता का उपयोग कर कुपोषण को प्रभावी ढंग से दूर किया जा सकता है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छता बनाए रखने, शौचालयों की नियमित सफाई, बच्चों को स्वच्छ वस्त्र पहनाने तथा अभिभावकों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए।

मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि व्यवस्थाओं में सुधार के लिए जमीनी स्तर तक तंत्र को पूर्ण रूप से सक्रिय करना बेहद आवश्यक है। आंगनबाड़ी एवं कर्मचारी नियमित रूप से फील्ड में उतरकर कार्य करेंगे, तभी कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याओं का प्रभावी समाधान संभव होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक आंगनबाड़ी प्रतिदिन कम से कम पांच आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सभी केंद्र नियमित रूप से संचालित हों, वहां पोषण वाटिका विकसित हो और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा रहा हो।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का उद्देश्य बच्चों का समग्र विकास और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना है। बच्चों का पालन-पोषण अपने बच्चों की तरह करते हुए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ही कुपोषण एवं एनीमिया मुक्त सूरजपुर के निर्माण का आधार बनेगा, जिससे मजबूत और स्वस्थ परिवारों का निर्माण होगा।

इसके अलावा समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने सामाजिक सहायता कार्यक्रम, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, सुखद सहारा योजना, दिव्यांग पेंशन योजना, पेंशन हितग्राहियों के भौतिक सत्यापन, दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण, दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना एवं दिव्यांग छात्रवृत्ति योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए।

संपादकीय

जनता को लग रहा है ज्यादा बिजली बिल आ रहा है तो

राज्य में इन दिनों लोगों को लग रहा है कि पहले से ज्यादा बिजली बिल आ रहा है। लोग मीडिया को बता रहे हैं कि अप्रैल से बिल ज्यादा आ रहा है, कुछ लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगाने के बाद बिजली बिल ज्यादा आ रहा है। कोई कहता है कि पहले हमारे यहां बिजली बिल दो हजार रुपए आता था अब वह 3300 और 3600 आ रहा है,कोई कहता है कि अप्रैल में एक हजार, मई में छह हजार और जून में आठ हजार आया है। कोई कहता है कि मेरा बिल 700-800 रुपए आता था, अब 1920 और 3250 रुपए आया है। कोई बताता है कि अप्रैल में 1740,मई में 4420 बिल आया है। उस पर बुरा लोगों को यह लगता है कि जब बिजली विभाग शिकायत करने जाते हैं तो शिकायतें दर्ज नहीं की जाती हैं, समाधान में अनावश्यक देरी हो रही है। लोगों का कहना है कि बिजली बिलों की जांच कर वास्तविक खपत के आधार पर संशोधित बिल जारी करना चाहिए और शिकायतें जल्दी दूर की जानी चाहिए।

सीधी सी बात है कि यह जनता का अनुभव है। सरकार जैसे पिछली सरकार की तुलना मे खुद को कई मामलों में बेहतर बताती है उसी तरह जनता को इस बात का एहसास किसी न किसी क्षेत्र में तो ऐसा होता है कि बिजली के मामले में उनको इस सरकार से ज्यादा पिछली सरकार में फायदा था क्योंकि 400 यूनिट बिजली बिल आने पर 200 यूनिट का पैसा पटाना पड़ता था। कम से कम एक हजार रुपए की बचत होती थी। बिजली बिल दो तीन हजार भी आता था तो लोगों को लगता था कि एक हजार रुपए की बचत हुई है। बिजली कम आने व पैसा बचने का जो एहसास भूपेश बघेल सरकार के समय होता था, उसकी तुलना आज साय सरकार के समय लोग कर रहे हैं तो उनको लगता है कि उनको पहले से ज्यादा बिजली बिल देना पड़ रहा है। बिजली बिल पहले से ज्यादा आ रहा है। यानी पैसा बच नहीं रहा है, ज्यादा पैसा जेब से देना पड़ रहा है।

लोगों को भले ही यह सच मालूम न हो कि बिजली बिल क्यों ज्यादा आ रहा है, उनको यह तो मालूम है कि बिजली बिल पहले से ज्यादा आ रहा है। कुछ लोगों ने मान लिया कि यह स्मार्ट मीटर लगाने के कारण आ रहा है। हो सकता है कि बिजली बिल ढाई साल में कई बार बिजली दर बढ़ने के कारण ज्यादा आ रहा हो, हो सकता है कि गर्मी में पंखा कूलर ज्यादा चलने के कारण बिजली बिल ज्यादा आ रहा हो, हो सकता है कि पुराने मीटर में वास्तविक खपत के अनुसार बिजली बिल न आ रहा हो और स्मार्ट मीटर के कारण अब वास्तविक खपत के अनुसार बिजली बिल आ रहा हो। यानी बिजली बिल ज्यादा आने के कारण तो कई हो सकते हैं लेकिन लोगों के मन में यह धारणा बनाने का प्रयास कांग्रेस कर रही है कि स्मार्ट मीटर के कारण बिजली बिल ज्यादा आ रहा है। वह स्मार्ट मीटर के खिलाफ लोगों से फार्म भरवा रही है, जमा करवा रही है लोगों से कह रही है कि स्मार्ट मीटर के नाम पर संगठित लूट की जा रही है ताकि इसे आने वाले में जनता से जुड़ा बड़ा मुद्दा बना सके।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बयान जारी कर कहा है कि यूपी के सीएम योगी के मंत्रिमंडल ने जैसे घरों से स्मार्ट मीटर हटाने का फैसला किया है क्योंकि स्मार्ट मीटर से बिजली की खपत ज्यादा आ रही थी, यहां भी साय सरकार को बिजली खपत ज्यादा आने को देखते हुए स्मार्ट मीटर घरों से हटाने का फैसला करना चाहिए। यानी कांग्रेस ज्यादा बिजली बिल को लेकर एक एक कदम आगे बढ़ रही है। वह लोगों को बता रही है, समझा रही है कि बिजली बिल ज्यादा आ रहा है तो इसके लिए सरकार दोषी है। यूपी की भाजपा सरकार इस समझ रही है तो यहां की भाजपा सरकार को भी समझना होगा कि इससे लोगों को परेशानी हो रही है।

यह सच है कि बिजली विभाग की तरफ से यह साफ कर दिया गया है कि स्मार्ट मीटर बिजली बिल नहीं बढ़ाता है। वह तो वास्तविक खपत के आधार पर सटीक बिल तैयार करता है। विभाग को बढ़े हुए बिजली बिल के विषय में साफ कहना है कि यदि किसी उपभोक्ता का बिजली बिल बढ़ा है तो उसका प्रमुख कारण बिजली की पहले से ज्यादा खपत व उच्च टैरिफ स्लैब में पहुंचना है। बिजली विभाग का यह भी साफ कहना है कि स्मार्ट मीटर वास्तविक समय में बिजली की खपत की जानकारी उपलब्ध कराता है।मोर बिजली एप के माध्यम से बिजली उपभोक्ता हर आधे घंटे में देख सकता है कि उसके घर में रोज कितनी बिजली खपत हो रही है। इससे वह जान सकता है कि कौन से बिजली चलने वाले उपकरण के कारण ज्यादा बिजली खपत हो रही है और वह बिजली की खपत कैसे कम कर सकता है।

लोग बिजली विभाग से बिजली बिल ज्यादा आने के लिए स्मार्ट मीटर की जांच कराना चाहें तो वह जांच भी तो मुफ्त नहीं होती है। लोग बिजली विभाग में शिकायत करें कि हमारे मीटर मे ज्यादा बिजली बिल आ रहा है क्यों आ रहा है इसकी जांच की जाए और मुफ्त जांच हो जाती तो भी लोगों को संतोष होता कि ठीक है मीटर में खराबी नहीं है, हमारी खपत बढ़ गई है। बिजली विभाग तो मीटर जांच की शिकायत पर कम से कम 500 रुपए और अधिकतम एक हजार रुपए जांच करने का लेता है। इससे गरीब लोग,मध्यम वर्ग के लोग मीटर की जांच भी नहीं करा पा रहे हैं। ऐसे में स्मार्ट मीटर को कांग्रेस एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना सकती है। वह फार्म भरवा रही है, लाखों फार्म हो जाएंगे तो वह सरकार से कहेगी कि देखों राज्य के लाखों लोग चाहते हैं कि स्मार्ट बिजली मीटर बदला जाए। सरकार नहीं बदलवाती है तो कांग्रेस अगले चुनाव में मीटर बदलने का वादा कर सकती है। सस्ती बिजली का वादा कर सकती है। यानी साय सरकार भले ही कई क्षेत्रों में अच्छा काम कर रही है लेकिन बिजली क्षेत्र में बिजली बिल ज्यादा आने से लोग परेशान है,उनको लगता है कि पहले बिजली बिल जैसे कम आता था, वैसे ही कम आना चाहिए। ज्यादा बिजली बिल लाखों से जुड़ा संवेदनशील मामला है, सरकार को इसे बिजली विभाग के भरोसे नहीं छोडना चाहिए, उसी तरह गंभीरता से लेना चाहिए जैसे कांग्रेस ले रही है।

ललित सुरजन को याद करते हुए

दिवाकर मुक्तिबोध

(यादें उस विशाल समुद्र की तरह हैं जिसकी तलहटी में हमेशा कुछ न कुछ बचा रहता है। डुबकी लगाएंगे तो यादों कुछ नयी सीपियाँ हाथ में आ ही जाएंगी। छत्तीसगढ़ ही नहीं देश के मूर्धन्य पत्रकार, संपादक व कवि ललित सुरजन जी की स्मृतियों पर एक संस्मरण लेख मैंने छह वर्ष पूर्व लिखा था। विचार आया कि उनके स्मृति दिवस पर अपनी स्मृतियों में बचे हुए को याद किया जाए। वह बचा हुआ यहां पेश हैं हालांकि इसमें विशेष कुछ नया न होते हुए भी कुछ-कुछ तो नया है।)

छत्तीसगढ़ में करीब पचास वर्षों की अपनी पत्रकारिता में जिन पत्रकारों ने मुझे सर्वाधिक प्रभावित किया उनमें ललित सुरजन और राजनारायण मिश्र प्रमुख हैं। इस पेशे में मुझे गढ़ने तथा संवारने में राज्य की इन दोनों हस्तियों की महती भूमिका रही है। दोनों इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन कभी ऐसा महसूस नहीं होता कि वे मेरे आसपास नहीं है। दृश्य की तरह एकाएक कभी भी कुछ क्षण के लिए प्रकट हो जाते हैं और लुप्त हो जाते हैं। फिर-फिर याद आते हैं। उनकी देहविहीन उपस्थिति प्रेरक है, दिशा देती है, मनोबल बढाती है और लड़ने की ताकत भी देती है।

ललित भैया जीवित रहते तो 22 जुलाई को अस्सी के हो जाते। उन्हें गुजरे हुए करीब छह वर्ष हो रहे हैं। मैंने उनके साथ करीब आठ-नौ वर्ष काम किया। मेरी यह खुशकिस्मती थी कि जब मैंने शहर के नहरपारा स्थित नयी दुनिया बनाम देशबंधु कार्यालय में दाखिला लिया तब पत्रकारिता के पांच दिग्गज ललित सुरजन, रामाश्रय उपाध्याय , राजनारायण मिश्र, रम्मू श्रीवास्तव व सत्येंद्र गुमाश्ता का मुझे सानिध्य व मार्गदर्शन मिला। इनमें से रामाश्रय उपाध्याय व ललित सुरजन जी से पूर्व परिचित नहीं था। रम्मू भैया व सत्येंद्र भैया पुरानी बस्ती में मेरे घर के पास ही रहते थे इसीलिए उनसे मुलाकात थी जबकि राज दा से परिचय रम्मू भैया के जरिए हुआ। दा उन दिनों डीके अस्पताल के पीछे स्थित मोहल्ले की एक चाल में रहते थे।

ललित जी को जब मैंने पहली बार देखा तो एक अजीब सी खुशी मन में समा गई थी। वर्ष था 1967। तब मैं साइंस कॉलेज रायपुर का बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र था। वे भी विद्यार्थी थे। दुर्गा कॉलेज से पीजी कर रहे थे। मैं भिलाई से हायर सेकंडरी करके तब के छोटे लेकिन राज्य के सबसे बड़े शहर रायपुर में आया था। मेरी उनसे मुलाकात नयी दुनिया के बूढापारा स्थित कार्यालय में हुई। यह मुलाकात केवल परिचय तक सीमित रही। सफेद कुर्ता व पायजामा में खिले -खिले से ललित जी ने मुझे पहली ही नजर में प्रभावित किया। सुदर्शन व्यक्तित्व के ललित जी यह जानकर प्रसन्न हुए कि मैं उनके प्रिय कवि गजानन माधव मुक्तिबोध जी का बेटा हूं। मामूली परिचय के बाद मेरी दूसरी भेंट दो-ढाई वर्ष बाद तब हुई जब मैं नयी दुनिया में बतौर प्रूफ रीडर नियुक्त हुआ। कालांतर में यही नयी दुनिया देशबंधु बना जिसने अपनी स्थापना के 68 वर्ष पूरे कर लिए हैं।

ललित जी की प्रतिभा बहुमुखी थी। कवि, लेखक, निबंधकार व यात्रावृत्तांती। पर उनका पत्रकारीय व्यक्तित्व अधिक प्रभावी रहा। वे ऐसे पत्रकार व संपादक थे जो युवा पत्रकारों के पीछे मजबूती के साथ खड़े रहते थे। वे उन्हें आगे बढ़ाने , अवसर देने व उनकी प्रतिभा को तराशने में विश्वास रखते थे। यह उनकी प्रकृति में था। अच्छी रिपोर्टिंग पर साथियों की तारीफ अवश्य करते थे लेकिन भाषा व तथ्य संबंधी त्रुटियों पर वे हमारी परेड़ भी लेते थे। छत्तीसगढ़ के वे पहले संपादक थे जो रोजाना बहुत सुबह दफ्तर पहुंचकर पूरे अखबार की समीक्षा करते तथा गलतियों को मार्क करने साथ ही उनका शुद्ध रूप भी अंकित करते थे। मार्क किया हुआ अखबार संपादकीय विभाग में भेजा जाता था ताकि साथी उसे देख लें तथा गलतियों से सबक लें। समझ सकते हैं कि भाषा सुधारने व उसे समृध्द करने का यह तरीका प्रशिक्षु पत्रकारों के लिए कितना उपयोगी था। काम के दौरान प्रशिक्षण की ऐसी पाठशाला किसी और अखबार में नहीं थी। उन्होंने प्रत्येक उस सहयोगी को प्रोत्साहित किया जिनमें उन्हें थोड़ी सी भी संभावना नजर आयी। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था कि मुझ जैसे प्रशिक्षु पत्रकार जिसे संपादकीय विभाग में कार्य करते हुए महज दो-तीन वर्ष हुए थे, एकाएक किसी दिन संपादकीय टिप्पणी लिखने कहा जाएगा। यही नहीं सप्ताह में एक बार शहर व प्रदेश की घटनाओं को केंद्र में रखकर उनकी विवेचना करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। लेकिन वे ललित जी ही थे जो अपने युवा सहकर्मियों को लिखने का अवसर देते थे इस हिदायत के साथ कि जितना अधिक पढ़ोगे उतना ही अच्छा लिखोगे। तब देशबंधु में जो साप्ताहिक स्तम्भ लिखे जा रहे थे उनमें सीनियर्स के साथ जूनियरों का भी लेखकीय योगदान रहता था।

देशबंधु में प्रकाशित ' छत्तीसगढ़ : पिछला सप्ताह ' मेरी पत्रकारिता का प्रथम साप्ताहिक स्तम्भ था। अपने अखबार में इसे छपते हुए देखना अभिभूत कर देता था। भारी उत्साह के साथ इसकी तथा अपने संपादकीय टिप्पणियों की कतरनें मैंने वर्षों तक सम्हाल कर रखीं तथा बाद में अपनी पहली किताब ' इस राह से गुजरते हुए ' में उनमें से कुछ संकलित की। यह था ललित जी का अपने युवा सहयोगियों को प्रशिक्षित करने व विश्वास के साथ उन्हें जिम्मेदारी सौंपने का तरीका। वे व्यक्ति के रूप में संस्था ही थे। उच्च कोटी की पत्रकारिता की ऐसी पाठशाला जिसका दूसरा नाम था देशबंधु। दोनों एक दूसरे के पर्याय। उनके नेतृत्व में देशबंधु में पत्रकारों की जो टीम तैयार हुई, वह बेमिसाल थी। उसके सदस्य अब देश-प्रदेश के विभिन्न अखबारों में अथवा न्यूज एजेंसियों में या स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता कर रहे हैं, वे मूलतः देशबंधु की ही उपज है जिनके प्रेरणास्रोत ललित भैया हैं।

ललित जी साहित्यिक भी थे और खूब पढ़ते थे, लिखते थे। उनकी कई किताबें हैं जिनमें कविता संग्रह, निबंध तथा यात्रा संस्मरण प्रमुख हैं। वे साहित्यिक पत्रकार थे लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य की तुलना में उनकी पत्रकारिता को अधिक मान-सम्मान मिला। उनका भाषाई ज्ञान अद्भुत था। विश्वविद्यालयीन छात्र रहते हुए उन्होंने अखबार के लिए रिपोर्टिंग की अथवा नहीं, मुझे ज्ञात नहीं अलबता देशबंधु में पूर्णतः दाखिल होने और संपादकीय दायित्व सम्हालने के बाद जरूरत पड़ने पर वे आंचलिक संवाददाताओं की अनगढ़ व बेतरतीब खबरों का नये सिरे से पुनर्लेखन करते थे। चूंकि खूब पढ़ते थे इसलिए उन्हें सारे विषयों की अद्यतन जानकारियां रहती थीं। विचारों तथा भाषा से समृद्ध ललितजी की सामयिक विषयों पर लिखी गई टिप्पणियां सोचने-विचारने के लिए बाध्य करती थीं। चाहे विषय प्रादेशिक हो, राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय, सामाजिक हो या सांस्कृतिक या राजनीतिक, वे जो भी लिखते थे विचारपूर्वक तथ्यों के आधार पर लिखते थे। उनके पास आसानी से ग्राह्य होने वाली सीधी-सरल भाषा शैली थी जो इतनी मधुर थी कि उनका लिखा पढ़ने के बाद देर तक दिलोदिमाग पर उसका असर बना रहता था। देशबंधु में रहते हुए मैं उन्हें पढ़ता ही था पर अन्य अखबारों में काम करते हुए भी मैंने उन्हें पढ़ना नहीं छोड़ा। उनके लेख पढ़ने के बाद जब कभी उनसे बात करने का खूब मन करता तो मैं फोन पर अपनी भावनाएं व्यक्त करता था। वे कहते कुछ नहीं थे पर मुझे महसूस होता था कि अपनी तारीफ सुनकर वे मंद-मंद मुस्कुरा रहे हैं।

मुझे लगता है कि बाद के वर्षो में विभिन्न कारणों से टीम देशबंधु के सदस्यों ने जब दूसरे अखबारों की ओर रूख करना शुरू किया तब शायद वह उनके पत्रकारिता जीवन का बहुत पीड़ादायक दौर था। एक-एक कर प्रायः सभी वरिष्ठ पत्रकारों ने अलग राह पकड़ लीं जिनमें मैं भी था। पहले नवभारत फिर अमृत संदेश व युगधर्म से होते हुए मैं दैनिक भास्कर में पहुंच गया। एक दिन उनसे मिलने देशबंधु के दफ्तर गया। बातचीत के दौरान उन्होंने व्यंगात्मक लहजे में अपना क्षोभ व्यक्त किया। उनका तर्क था कि अच्छा वेतन व पोजीशन के लोभ में लोगों ने देशबंधु का साथ छोड़ दिया। उनका कथन काफी हद तक सही भी था लेकिन अखबार छोड़ने के अन्य कारण भी थे। रायपुर व अन्य शहरों में नये अखबारों का प्रकाशन प्रारंभ होने से तरक्की की नयी राहें खुल गई थीं जहां पद व पैसा दोनों थे। दरअसल ललितजी इसलिए व्यथित थे क्योंकि उनके विश्वास पर चोट पहुंची थी। कुछ साथियों के बारे में तो उन्हें लगता ही था वे देशबंधु छोड़कर नहीं जाएंगे। पर वे भी गए। लेकिन जो गए वे सभी ललित जी व देशबंधु की स्वर्णिम यादों के साथ गए।

ललित जी से संबंधित एक दो बातें हमेशा जेहन में रहती हैं। अखबारों में प्रकाशित मेरे लेखों पर मेरी पहली पुस्तक 2008 में छपी जिसका संपादन राजनारायण मिश्र जी ने किया था। मेरी दिली इच्छा थी कि उसकी भूमिका ललित भैया लिखें। मैंने उनसे अनुरोध किया। वे सहर्ष तैयार हुए। किताब की स्क्रिप्ट उन्हें दे आया। उन्होंने आश्वस्त किया जल्दी लिख देंगे। फिर कई दिनों तक मैं उनके फोन का इंतजार करता रहा। जब रहा नहीं गया तो एक दिन मैंने ही फोन किया। उनका जवाब था - ' पाण्डुलिपि ले जाओ, व्यस्त हूं, नहीं लिख पाऊंगा।' मैं चकरा गया, अचरज में पड़ गया। निराशा भी हुई। उनके मना करने का वास्तविक कारण क्या था, समझ नहीं पाया। पहले हां फिर ना ! सोच में पड़ा रहा। यह गुत्थी कभी सुलझी नहीं यद्यपि बाद में प्रख्यात कवि विनोद कुमार शुक्ल, राजनारायण मिश्र, परितोष चक्रवर्ती तथा प्रभात खबर के तत्कालीन समूह संपादक हरिवंश ने भूमिकाएं लिखीं। हरिवंश वर्तमान में राज्यसभा के उपाध्यक्ष हैं।

दूसरा वाकया था संस्मरण श्रृंखला। फेसबुक पर ' कुछ यादें कुछ बातें ' शीर्षक से इस श्रृंखला की शुरुआत मैंने ललित जी से की थी। इसमें ललित जी के मातहत देशबंधु में बिताये गये दिनों का संस्मरणात्मक ब्यौरा था। लेकिन समय और अखबारी प्रतिस्पर्धा की दौड़ में देशबंधु के पिछड़ने का भी उल्लेख था। वे उन दिनों बीमार थे। दिल्ली के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। पर वे बिस्तर पर लेटे-लेटे लिखना-पढ़ना कर रहे थे। फेसबुक पर सक्रिय थे। खासकर अपनी कविताओं का सस्वर पाठ करते थे। उनका पाठ मुझे भी आल्हादित करता था। चूंकि ललित जी की पत्रकारिता पर संभवतः यह पहिला ही संस्मरणात्मक आलेख था इसलिए मुझे उम्मीद थी कि वे मेरी पोस्ट जरूर पढेंगे तथा अपनी राय देंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शायद उन्होंने उसे पढ़ा ही नहीं अथवा पढ़ा भी होगा तो प्रतिक्रिया व्यक्त करना मुनासिब नहीं समझा। मुझे लगा कि वे देशबंधु के बारे में लिखी गई टिप्पणी से आहत हुए होंगे। अन्यथा जब भी कोई लेख उन्हें पसंद आता था, वे फोन पर तारीफ अवश्य करते थे।

बहरहाल उनकी प्रेरणादायक स्मृतियों में यह भी स्मृति है जो दिमाग़ में एक अबूझ अंश के रूप में मौजूद है।

भारतीय क्रिकेट टीम के चयन पर उठती उंगलियां

अजय कुमार

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इन दिनों एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है, जहाँ मैदान के प्रदर्शन से कहीं ज़्यादा चर्चा मैदान के बाहर की जा रही है। प्रशंसकों, पूर्व क्रिकेटरों और खेल विशेषज्ञों के बीच टीम चयन का मुद्दा एक बड़ा सवालिया निशान बन चुका है। क्या भारतीय टीम का चयन वास्तव में योग्यता के आधार पर हो रहा है, या इसके पीछे कोई अन्य समीकरण काम कर रहे हैं? यह बहस केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है, बल्कि अब मुख्यधारा की चर्चाओं में भी जगह बना चुकी है।भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के बीच सबसे बड़ी टीस इस बात की है कि चयन का कोई स्पष्ट पैमाना (क्राइटेरियन) दिखाई नहीं देता।

अक्सर देखा जाता है कि खिलाड़ी अपनी फॉर्म के चरम पर होने के बावजूद नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, जबकि कुछ को उनके खराब दौर में भी निरंतर समर्थन मिलता है। जब टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं के बीच मतभेद की खबरें सामने आती हैं, तो यह भ्रम और गहरा हो जाता है। टीम चयन में उपेक्षा के सबसे चर्चित मामलों में कुलदीप यादव का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। एक ऐसे स्पिनर, जिसने अपनी विविधता और विकेट लेने की क्षमता से दुनिया भर में लोहा मनवाया है, उसे अक्सर प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा जाना प्रशंसकों के गले नहीं उतरता। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कुलदीप को लगातार मौके नहीं मिलते, तो यह न केवल खिलाड़ी का आत्मविश्वास तोड़ता है, बल्कि टीम को एक मैच-विनर से भी दूर रखता है। बल्लेबाजी की गहराई के नाम पर अक्सर गेंदबाजों के साथ जो तिगड़म बिठाया जाता है, वह खेल की मूल आत्मा के साथ समझौता जैसा लगता है।

हाल के समय में सबसे अधिक चर्चा अनुभवी दिग्गजों, रोहित शर्मा और विराट कोहली, के साथ बोर्ड के व्यवहार को लेकर रही है। चाहे कप्तानी से हटाए जाने का नाटकीय घटनाक्रम हो या फिर संन्यास की खबरों के बीच उनकी भूमिका पर स्पष्टता का अभाव, इन दिग्गज खिलाड़ियों के सम्मान और भविष्य को लेकर बोर्ड की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल जैसी सार्वजनिक हस्तियों का इस पर खुलकर बोलना यह दर्शाता है कि क्रिकेट अब केवल बोर्ड का निजी मामला नहीं रहा। बोर्ड के भीतर की राजनीति पर भी लगातार सवाल उठते रहे हैं। चयन समिति की बैठकों में बोर्ड पदाधिकारियों के कथित हस्तक्षेप की खबरें अक्सर मीडिया की सुर्खियां बनती हैं।

जब चयनकर्ताओं को यह हिदायत दी जाती है कि वे खिलाड़ियों के भविष्य या टीम संयोजन से जुड़ी बातें सार्वजनिक न करें, तो यह पारदर्शिता के बजाय रहस्यमयता पैदा करता है। इसके अलावा, संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों का टीम से अंदर-बाहर होना भी चयन समिति की रणनीति पर सवाल उठाता है। एक तरफ युवा खिलाड़ी, जैसे वैभव सूर्यवंशी, को लेकर उम्मीदें हैं, तो दूसरी ओर उनके व्यवहार और प्रदर्शन के बीच संतुलन बनाने में बोर्ड का संघर्ष भी दिख रहा है। ऐसा लगता है कि भारतीय क्रिकेट में सब कुछ ठीक नहीं है का अहसास केवल एक अफवाह नहीं, बल्कि चयन में दिख रही निरंतर असंगति का परिणाम है।यदि बीसीसीआई को प्रशंसकों का भरोसा बनाए रखना है और टीम को विश्व स्तर पर एक अविजित इकाई के रूप में स्थापित करना है, तो चयन प्रक्रिया में स्पष्टता और योग्यता को सवीपरि रखना होगा। खिलाड़ियों को यह महसूस होना चाहिए कि उनका चयन उनके प्रदर्शन की बदौलत है, न कि किसी के पसंदीदा होने या बोर्ड की अंदरूनी राजनीति के कारण। टीम इंडिया के लिए आगे का रास्ता तभी आसान होगा, जब चयन का पैमाना सिर्फ और सिर्फ मैच जिताने की क्षमता हो, न कि कोई और आधार।

गंभीर कमियां उजागर

संक्षेप देखकर ठहर जाएं, तो मालूम होगा कि श्रम बल में भागीदारी बढ़ी है और बेरोजगारी दर घटी है। लेकिन बारीकी में जाएं, तो सकारात्मक कथानक में मौजूद कई गंभीर कमियां उजागर होने लगती हैं।

दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में रोजगार की स्थिति पर राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) की ताजा रिपोर्ट चमकती हेडलाइन के लिए मसाला तो देती है, लेकिन उसके अंदर उतरते ही कड़वी हकीकतों से सामना होने लगता है। सिर्फ सार-संक्षेप देखकर ठहर जाएं, तो मालूम होगा कि श्रम बल में महिलाओं सहित कामकाजी उम्र के सभी व्यक्तियों की भागीदारी बढ़ी है और बेरोजगारी दर घटी है। लेकिन बारीकी में जाएं, तो सकारात्मक कथानक में मौजूद कई गंभीर कमियां जाहिर होने लगती हैं। मसलन, यह उत्साह से बताया गया है कि बड़े शहरों में 55 फीसदी से अधिक श्रमिक अब नियमित वेतनभोगी हैं। मगर रिपोर्ट में यह तथ्य भी मौजूद है कि इनमें बहुत बड़ा हिस्सा वैसी नियमित नौकरियों का है, जिनमें पीएफ, पेंशन, सवैतनिक अवकाश, या स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षाएं नहीं मिलतीं। गिग कर्मियों की बढ़ती संख्या को रोजगार वृद्धि बताया गया है, जबकि ऐसे कर्मियों को किसी तरह के श्रम अधिकार या जॉब सिक्योरिटी हासिल नहीं हैं।

महिला श्रम बल भागीदारी बढ़ कर 27.2 फीसदी होने का दावा भी विवादास्पद है, क्योंकि खुद रिपोर्ट मानती है कि कामकाजी महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा आज भी कम या शून्य वेतन वाले घरेलू कार्यों या असंगठित मैन्युफैक्चरिंग में लगा हुआ है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में काफी कम वेतन मिलता है, यह स्वीकार किया गया है। बेरोजगारी दर गिर कर 4.9 प्रतिशत रह जाने की बात कही गई है, लेकिन अर्ध-रोजगार या योग्यता से कम दर्जे का काम मिलने के व्यापक चलन पर रिपोर्ट चुप है। दुर्भाग्यपूर्ण हकीकत यह है कि लाखों पोस्ट-ग्रेजुएट और इंजीनियरिंग डिग्री धारक युवा फिलहाल महानगरों में क्लर्क, डिलीवरी बॉय या डेटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी करने को मजबूर हैं। फिर याद रखना चाहिए कि ये रिपोर्ट मिलियन-प्लस शहरों के बारे में है। छोटे शहरों और ग्रामीण भारत की कहानी इसमें शामिल नहीं है, जहां महानगरों की तुलना में काफी कम कमाई होती है। तो एक बार फिर वही कहानी है। रोजगार के मोर्चे पर नीतिगत विफलता को छिपाने के लिए एक रिपोर्ट को इस इस तरह लिखा गया है, जिससे लोग 'फील-गुड-महसूस करें।

पेपर लीक, युवा आक्रोश और सत्ता की चुप्पी

योगेश कुमार गोयल

18 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जो कुछ हुआ, उसने लोकतंत्र के चेहरे पर कई असहज सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर शांतिपूर्ण, संवैधानिक और नैतिक विरोध के प्रतीक के तौर पर वैज्ञानिक, नवाचारकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक आमरण अनशन पर बैठे थे तो दूसरी ओर राज्य की शक्ति का वह रूप सामने आया, जिसने संवाद की जगह बल प्रयोग को प्राथमिकता दी। जिस तरह से उन्हें सफेद चादर में लपेटकर पुलिस द्वारा जबरन उठाकर अस्पताल ले जाया गया, वह दृश्य केवल एक व्यक्ति के साथ हुई कार्रवाई नहीं थी बल्कि उस पूरी सोच का प्रतीक था, जिसमें असहमति को समस्या मान लिया गया है।

सरकार का यह अनुमान कि वांगचुक को हटाने के बाद आंदोलन स्वतः समाप्त हो जाएगा, एक गंभीर राजनीतिक भूल साबित हुआ। इसके विपरीत, इस कार्रवाई ने युवाओं के भीतर दबी हुई असंतोष की आग को हवा दे दी। यह केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि उस गहरे अविश्वास का परिणाम थी, जो पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न मुद्दों पर लगातार पनपता रहा है। जब एक शांतिपूर्ण आंदोलन को इस तरह कुचलने का प्रयास किया जाता है तो यह संदेश जाता है कि सरकार संवाद के बजाय दमन को अधिक प्रभावी मानती है।

लोकतंत्र का मूल तत्व यह है कि नागरिकों को अपनी बात कहने, विरोध करने और अपनी मांगों के लिए शांतिपूर्वक संघर्ष करने का अधिकार हो। यह अधिकार केवल संविधान की किताबों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उसका सम्मान व्यवहार में भी होना चाहिए। जब तक कोई आंदोलन हिंसक नहीं होता, तब तक उसे दबाने के बजाय समझने और समाधान निकालने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन जंतर-मंतर की घटना ने यह संकेत दिया कि सरकार इस बुनियादी सिद्धांत से दूर होती जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू युवाओं की प्रतिक्रिया है। आज का युवा केवल भावनाओं से नहीं बल्कि सूचनाओं और जागरूकता से संचालित होता है। वह हर घटना को देखता है, उसका विश्लेषण करता है और फिर अपनी प्रतिक्रिया देता है। सोनम वांगचुक के साथ हुई घटना ने युवाओं को महसूस कराया कि उनकी आवाज को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। यही कारण है कि ह्यचलो संसदह्ण के आह्वान को अभूतपूर्व समर्थन मिला।

यहां यह समझना भी जरूरी है कि यह आक्रोश केवल एक घटना का परिणाम नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में बार-बार पेपर लीक, परीक्षाओं में अनियमितताएं और परिणामों में कथित धांधली ने छात्रों के भविष्य को अस्थिर कर दिया है। नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा, जिस पर लाखों छात्रों का करियर निर्भर करता है, उसमें भी पारदर्शिता पर सवाल उठना बेहद गंभीर मामला है। जब बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं और उनके समाधान में देरी या अस्पष्टता दिखाई देती है तो युवाओं का विश्वास डगमगाना स्वाभाविक है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों से छात्र आत्महत्या के मामले भी बढ़ रहे हैं। छात्र और युवा जब ऐसे में अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरते हैं तो उन्हें केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा मानकर नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सामाजिक और मनोवैज्ञानिक संकट का संकेत है। यदि सरकार इस संकेत को समझने में विफल रहती है तो यह असंतोष भविष्य में और अधिक व्यापक रूप ले सकता है। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर सरकार का कठोर रुख भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जवाबदेही एक अनिवार्य तत्व होती है। यदि किसी प्रणाली में बार-बार खामियां सामने आती हैं तो जिम्मेदारी तय करना और सुधार के ठोस कदम उठाना आवश्यक होता है लेकिन जब सरकार इन मांगों को नजरअंदाज करती है या उन्हें राजनीतिक रंग देकर खारिज कर देती है तो यह युवाओं के बीच निराशा और गुस्से को और बढ़ाता है। सोनम वांगचुक जैसे व्यक्ति, जिनकी छवि एक शांत, सकारात्मक और समाधान-उन्मुख कार्यकर्ता की रही है, उनके साथ इस तरह का व्यवहार और भी अधिक चिंताजनक है। यह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं बल्कि उन मूल्यों का भी अपमान है, जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि ऐसे व्यक्तियों के साथ भी संवाद के बजाय बल प्रयोग का रास्ता अपनाया जाएगा तो आम नागरिक को क्या संदेश जाएगा? यह भी ध्यान देने योग्य है कि अदालत ने यदि अनशन को समाप्त कराने के निर्देश दिए भी थे तो उसका पालन मानवीय और गरिमापूर्ण तरीके से भी किया जा सकता था। किसी भी व्यक्ति के साथ इस तरह का व्यवहार, जिसमें उसकी गरिमा को ठेस पहुंचे, लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। कानून का पालन आवश्यक है लेकिन उसका क्रियान्वयन भी उतना ही संवेदनशील और मानवीय होना चाहिए।

20 जुलाई को चलो संसद के दौरान जो कुछ हुआ, उसने इस पूरे संकट को और गहरा कर दिया। युवाओं पर बल प्रयोग, उन्हें रोकने के लिए कठोर उपाय और उनके आक्रोश को नियंत्रित करने की कोशिशें यह दर्शाती हैं कि सरकार समस्या के मूल कारणों को समझने के बजाय उसके लक्षणों से लड़ रही है। यह रणनीति अल्पकालिक रूप से भले ही व्यवस्था बनाए रखने में सहायक हो लेकिन दीघर्कालिक रूप से यह असंतोष को और बढ़ाती है। सवाल यह है कि इस स्थिति का समाधान क्या है? सबसे पहले, सरकार को यह स्वीकार करना होगा कि समस्या वास्तविक है और उसे केवल राजनीतिक विरोध के रूप में नहीं देखा जा सकता। संवाद की प्रक्रिया को तुरंत शुरू करना होगा, जिसमें आंदोलनकारियों, छात्रों और विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। केवल औपचारिक बैठकों से काम नहीं चलेगा बल्कि ठोस और समयबद्ध समाधान प्रस्तुत करने होंगे। दूसरा, शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ठोस सुधार आवश्यक हैं।

परीक्षाओं की सुरक्षा, मूल्यांकन की निष्पक्षता और परिणामों की विश्वसनीयता को लेकर जो संदेह पैदा हुए हैं, उन्हें दूर करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। इसके लिए तकनीकी उपायों के साथ-साथ प्रशासनिक सुधार भी जरूरी हैं। तीसरा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर अनावश्यक बल प्रयोग से बचना होगा। लोकतंत्र में असहमति को स्थान देना ही उसकी ताकत होती है। यदि हर विरोध को दबाने की कोशिश की जाएगी तो यह लोकतंत्र को कमजोर ही करेगा। सरकार को यह समझना होगा कि असहमति दुश्मनी नहीं होती बल्कि सुधार का अवसर होती है। चौथा, युवाओं के साथ विश्वास का रिश्ता फिर से स्थापित करना होगा। इसके लिए केवल घोषणाएं या बयान पर्याप्त नहीं होंगे, ठोस कार्यवाही और परिणाम दिखाने होंगे। जब युवा यह महसूस करेंगे कि उनकी बात सुनी जा रही है और उस पर कार्रवाई हो रही है, तभी उनका विश्वास लौटेगा।

अंततः, यह समय सरकार और समाज दोनों के लिए आत्ममंथन का है। क्या हम एक ऐसे लोकतंत्र की ओर बढ़ रहे हैं, जहां असहमति को दबाया जाता है या एक ऐसे लोकतंत्र की ओर, जहां हर आवाज को सम्मान मिलता है? यह निर्णय केवल नीतियों से नहीं बल्कि व्यवहार से तय होगा। सोनम वांगचुक के साथ हुई घटना और उसके बाद का घटनाक्रम एक चेतावनी है कि यदि इसे समय रहते नहीं समझा गया तो यह केवल एक आंदोलन तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि एक व्यापक जन असंतोष में बदल सकता है। लोकतंत्र की असली ताकत सत्ता में नहीं बल्कि जनता के विश्वास में होती है। यदि यह विश्वास कमजोर पड़ता है तो सबसे बड़ी हार सत्ता की ही होती है। अब भी समय है कि सरकार संवाद, संवेदनशीलता और समाधान का रास्ता चुने क्योंकि लोकतंत्र में जीत उसी की होती है, जो अपने नागरिकों को साथ लेकर चलता है, न कि उन्हें चुप कराकर।

साप्ताहिक जलसा
स्वयंसिद्धा

छत्तीसगढ़ की अग्रणी महिला संस्था स्वयंसिद्धा-ए मिशन विद ए विजन द्वारा गत 7 वर्षों से प्रत्येक सप्ताह संगीत,साहित्य,संस्कृति, स्वास्थ्य, सिनेमा, फोटोग्राफी,कानूनी सलाह आदि समसामयिक विषयों पर नियमित स्तंभ चलाए जाते हैं जिनमें प्रत्येक मंगलवार परिचर्चा का आयोजन किया जाता है।
अधिकारियों,जिम्मेदारों, नेताओं,मंत्रियों के विचार तो हम हमेशा सुनते हैं लेकिन आम गृहणियां और माताएं समसामयिक विषयों पर क्या सोचती है इस पर हमने कभी बात नहीं की।

त्योहारों की खुशी से ज्यादा डीजे के शोर का डर हावी

स्वयंसिद्धा संस्था प्रमुख डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने परिचर्चा की शुरुआत करते हुए कहा-" सावन के पहले सोमवार से हमारे देश में त्योहारों की शुरुआत हो जाएगी। भारत उत्सव प्रधान देश है त्योहार हमें एकजुट करते हैं। 1990 के दशक तक भिलाई में (और शायद पूरे देश में ही) त्योहारों की रौनक सामुदायिक जुड़ाव और सादगी पर केंद्रित होती थी। मंदिरों में सभी त्योहार पूरे मोहल्ले के साथ मिल-जुलकर मनाए जाते थे। त्योहारों का मुख्य आकर्षण सबका मिलजुल कर काम करना था।

सामुदायिक भागीदारी से घरों और मंदिरों की सजावट की जाती थी त्योहारों के कई दिन पहले से ही लोग मिलकर मंदिरों की साफ-सफाई करते थे।तेल के दीपक (दीये) और रंगोली से पूरा मंदिर परिसर जगमगा उठता था। सुबह की शुरुआत सामूहिक आरती और भगवान के अभिषेक (दूध, शहद, जल) के साथ होती थी।शाम के समय मंदिरों में ढोल, मंजीरों के साथ भजन गाए जाते थे। महाशिवरात्रि या जन्माष्टमी जैसे त्योहारों पर रात भर चलने वाले 'जागरण' होते थे। त्योहारों पर मंदिरों में 'सामूहिक भंडारा' होता था। घरों में बनने वाले पकवानों (जैसे लड्डू, गुझिया) का भोग लगाया जाता था और उसे प्रसाद के रूप में सभी को बांटा जाता था। मोहल्ले के मैदानों और मंदिरों के खुले प्रांगण में स्थानीय लोक संगीत, नाटक और रासलीला जैसे कार्यक्रम होते थे। गणेश पूजा, दुर्गा पूजा, विश्वकर्मा पूजा आदि त्योहारों में आपसी मेलजोल और घर की बनी मिठाइयां बांटने की संस्कृति ही अधिक थी जिसे लाउडस्पीकरों ने खत्म करना शुरू कर दिया। जब से स्पीकर्स पर जोर-जोर से गीत बजने लगे ढोल मंजीरे पर भजन गाने की संस्कृति ही खत्म होने लगी। अब तो हाल यह है कि साल भर होने वाले कार्यक्रमों के कारण त्योहार के आने से अधिक डीजे के शोर का डर मन में हावी हो जाता है।

भोपाल निवासी सुमन रतन जी कहती है-" डीजे का शोर एक बड़ी समस्या का रूप लेता जा रहा है। अधिकतर ऐसे सामाजिक, धार्मिक रूप से संवेदनशील मामलों पर लोग बात ही नहीं करना चाहते। लोग चुपचाप झेलते हैं पर आवाज उठाने से डरते हैं। हमारे देश मे दिनों दिन त्यौहारों, विशेष पर्वों, धार्मिक अनुष्ठानों, भागवत कथाओं व प्रवचनों की संख्या बढ़ती जा रही है। बेशुमार धन का खर्च उठाने वाले ऐसे कार्यक्रमों के संचालकों को भीड़ एकत्रित करने के लिए बडे बड़े पंडालों, लाउडस्पीकरों पर चलने वाले तेज संगीत, ठेलों व दुकानों की जरूरत पडती है। वहां भक्ति या आस्था नहीं, व्यापारिक मुनाफा देखा जाता है। बच्चों की परीक्षा, बीमार व्यक्ति कि अस्वस्थता, बुर्जुगों की परेशानी कोई महत्व नहीं रखती।

लाउडस्पीकर व तेज आवाज केवल डीजे वाले ही नहीं, अड़ोस पड़ोस के लोग भी करते हैं। मुझे याद है जब बेटे की दसवीं की परीक्षा चल रही थी, तब हमारे बगल के घर में रहने वाले भाईसाहब को लाउडस्पीकर में कराओके (karaoke) चलाकर पूरा पूरा दिन गाने का शौक था। आसपास के चार पांच घरों में रहने वालो के लिए समस्या सबसे विकट थी। बोलने से संबंध बिगड़ते और ना बोलने से पेपर व सेहत ।

रात रात भर चलने वाले जसगीत, जागरण व कथाओं के कारण स्कूल जाने बच्चे, आफिस जाने वाले कर्मी व गृहणियों कि भी नींद पूरी नहीं हो पाती जिसका असर उनके दिनभर के कामों पर दिखना लाजिमी है। जागरूक नागरिक होने का कुछ दायित्व हमारा भी है ऐसे आयोजनों मे डीजे व लाउडस्पीकर का समय तय होना चाहिए। फुहड़ गीतों पर रोक लगे,उस ऐरिया के पार्षद - विधायक भी इस ओर ध्यान दे,तो कुछ हद तक इस समस्या को कम किया जा सकता है।

प्रियदर्शनी नगर सुपेला निवासी संगीता जायसवाल कहती है-" कोई भी अनुष्ठान, खुशी, उत्सव लोग धूम-धड़ाके के साथ मनाना चाहते हैं और इस धूम धड़ाके के चक्कर में तेज आवाज में स्पीकर बजाकर पूरे माहौल को ही ध्वनि प्रदूषण के हवाले कर देते हैं।तेज आवाज खुशी मनाने का कोई मापदंड तो नहीं , तो फिर कम वॉल्यूम में लोगों को खुशी क्यों नहीं मिलती ! एक की खुशी ना जाने कितनों के दुख का कारण बन जाता है।

पढ़ने वाले बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। बच्चों को आजकल कितना ज्यादा कंपटीशन का सामना करना पड़ता है । उनकी पढ़ाई को डिस्टर्ब करना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

कोई बीमार हो तो क्या करें वह तो आराम भी नहीं कर सकता। दिन भर कान के सामने तेज आवाज में कुछ बजते रहे तो मन कितना चिड़चिड़ा हो जाता है। सर में दर्द होने लगता है मेरा बस इतना ही कहना है खुशी ऐसे मनाइए आप भी खुश रहिए और दूसरों को भी सुकून से रहने दीजिए।

राधिका नगर निवासी रीता वैष्णव कहती हैं-" सही समय पर इस मुद्दे पर चर्चा की जा रही है। कुछ दिनों बाद इन सभी का सिलसिला शुरू हो जायेगा। गणेशोत्सव, और दुर्गा पूजा में डीजे के बिना विसर्जन ही नहीं होता। हम घर के अंदर भी रहते है फिर भी सड़क से गुजरने वाली डीजे की साउंड इतनी तेज रहती हैं की शोकेस में लगे काँच में कंपन करने लगता हैं ऐसा लगता हैं मानो भूकंप का हल्का झटका आया हो। बड़े बुजुर्ग को इस तरह की तेज आवाज से बहुत तकलीफ होती है । साँस और धड़कन दोनों उनकी तेज हो जाती है जिससे उनकी तबीयत बिगड़ने लगती है ।

इस पर शासन भी हमेशा रोक लगाता है लेकिन फिर भी जस का तस हो जाता हैं अब इस मुद्दे को हम गंभीरता से नहीं लेंगे तो आज के युवाओं का भी स्थिति खराब होना तय हैं। आये दिन डीजे के तेज आवाज पर डांस करते हैं अपने सेहत का ध्यान नहीं देते और हार्ट अटैक आने के कारण जीवन को खो देते है ये सत्य घटना है मेरे परिचित जवान 26 वर्ष का जवान बेटा नवरवी के अवसर पर डीजे पर डांस करते हुए अटैक आया और डैथ हो गई ऐसी और कई घटनाएँ आये दिन न्यूज चैनलों पर देखते है। इस जटिल मामले पर तुरंत विचार करें ।

सुरेंद्रनगर गुजरात निवासी अर्चना सिंह कहती है-" सच में ये आवाजें बहुत ज्यादा परेशान करती हैं, मैं भुक्तभोगी हूं, पहले हम वेरावल में रहते थे वहां हमारे टाउनशिप पीछे एक मुहल्ला था, मेरे किचेन से वो मोहल्ला दिखता था, हर सुबह, शाम, दोपहर इतनी लाउडस्पीकर बजने लगता था कि क्या बताऊं, कसम से इतनी झुंझलाहट, कि क्या कहूं।

इसी तरह कुछ दिन बड़ौदा में थी जब बड़ी बेटी को कोचिंग के लिए दोनों बच्चों के साथ वहां अकेले रहती थी। सोसाइटी में गणेश पूजा का आयोजन होता था, और वहां पहले दिन से ही लाउडस्पीकर पर सबकुछ स्टार्ट , टीक है चलो आरती का मान लिया, पर नहीं उसके बाद भी गाने बजते ही रहते थे, रात में कल्चरल प्रोग्रामस थी भी लाउडस्पीकर पर ही, दो दिन किसी तरह बर्दाश्त किया, फिर वहां के सेक्रेटरी से बात की, कि ये सही नहीं है, बहुत परेशानी हो रही है, कई लोगों ने मेरी बात का समर्थन किया तब जा कर उसका समय निर्धारित किया गया।

तो सच में ये आजकल जो हर मौके पर इतना शोर शराबा, होता है जो करते हैं उन्हें पता नहीं कितनों को कितनी परेशानियां होती है। कोई भी ईश्वर हो वे शोर नहीं पसंद करते, उसी तरह शादी ब्याह में भी कानफोड़ू संगीत की आवश्यकता नहीं होती। अभी पिछले साल ही गांव शादी में गई थी संगीत संध्या मेंडी जे पूरे शबाब पर था, और उसी शोर शराबे में उसी घर के एक बुजुर्ग अपने कमरे में गिर पड़े, बेचारे चिल्लाते रहे पर किसी ने नहीं सुना।

स्मृति नगर निवासी महिला उद्यमी विनीता गुप्ता कहती हैं -"धन्यवाद इस विषय के लिए

वाकई ऐसा होता है। शायद बड़ती उम्र का प्रभाव है या ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के लिए ये आवाजें बहुत परेशान करती है। पहले मैं जिस इलाके में रहती थी, वहां से घर के सामने का रास्ता मुख्य मंदिरों तक जाता था, और घर के मुख्य द्वार पर ही माता का मंदिर था... आजकल DJ वालों की श्रद्धा बहुत बढ़ गई है हर मंदिर के सामने रुक कर चुन्नी चढ़ाने की प्रशासन के नियमो का भी प्रभाव नहीं पड़ा ।बहुत ज्यादा परेशानी उठाई हमने।

अब जहां है वहां भी कलयुग की भक्ति मोहल्ले के युवकों में भी जागी और गणेश उत्सव से लेकर दुर्गा पूजा तक पंडाल बना रहा सुबह से रात तक पहले भजन फिर फिल्मी गाने। पिछली बार इन आवाजों से सिर में भयानक दर्द के साथ रक्तचाप बढ़ गया। मैं बरसतें पानी में वहां पहुंची उनसे निवेदन किया कि कृपया आवाज बंद कर दे या धीमा कर दे, लेकिन वो नहीं माने और फिर मैंने अपने स्वयं सिद्ध वाले रूप में आकार चिल्ला कर कहा-'बंद कर रहे हो या पुलिस बुला कर लाऊ एक महिला से बात करने की तमीज नहीं है। यदि हॉस्पिटल जाना पड़ गया मुझे तो हमेशा के लिए बंद करवा दूंगी।' उस दिन के बाद से उनके भजन का भी समय कम हुआ और मुझे देखते साथ आवाज भी कम होने लगी।

अवधपुरी निवासी रत्ना दुपारे कहती हैं -

"तेज आवाज में जो डीजे वगैरा बजाते हैं त्योहारों और पार्टी वगैरा में उसके कारण बहुत परेशानी होती है' खासकर बच्चों के एग्जाम के टाइम में। हम जब पुराने घर में रहते थे वहां 2 चर्च, एक मंदिर ऐसे बना हुआ था 'घर के पास ही था 'वहां पर चर्च में साल में दो-तीन बार कभी इस चर्च में कभी उसे चर्च में एकदम तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजता था और परीक्षा के टाइम में रोज शाम को 6:00 बजे से लेकर रात के 10:00 बजे तक 'इतनी तेज आवाज आती थी कि बच्चों को पढ़ाई में बहुत डिस्टर्ब होता था उनको भी पता रहता है कि अभी एग्जाम का टाइम चल रहा है लाउडस्पीकर नहीं लगना चाहिए लेकिन फिर भी पता नहीं कैसे सब करते हैं कोई चिंता ही नहीं है किसी की 'कम से कम इस बात का ध्यान रखना चाहिए क्यों उनके कारण किसी को भी परेशानी ना हो 'तेज आवाज से तो मेरा तो सिर दर्द हो जाता है' बहुत परेशान हो जाती है 'शादी ब्याह में भी जाओ तो इतना तेज डीजे बजता हैं कि बात तो कर ही नहीं सकते हैं बस गानों की आवाज ही सुनाई देती है।

हुडको निवासी रुमा दे कहती हैं :-त्योहारों के मौसम में बजने वाले तेज डीजे से बजने से बहुत परेशानी होती है। ये ध्वनि प्रदूषण एक गंभीर समस्या बनती जा रही है । त्योहार मे एक खुशी का माहौल होना चाहिए एक दूसरे से मेल मिलाप शांतिपूर्ण तरीके से होना चाहिए जो कि पुराने समय में होता था। घर में रहने वाले बुजुर्ग, छोटे बच्चे, बिमार व्यक्ति को बहुत परेशानी होती है । पढ़ने बच्चे जो कि एकाग्रचित हो कर पढ़ने में मन नहीं लगा पाते ।

तेज ध्वनि से हृदय गति बढ़ जाती है और ब्लड प्रेशर वाले को सेहत पर असर होता है। छोटे शिशु को बहुत हानि पहुंचती है। तेज आवाज से चौक जाते हैं वो बहुत डर जाते है। हमारे कुछ दुरी पर गणेश पूजा के समय दिन भर बहुत तेज गाने बजते रहते है दरवाजा बंद करने पर भी जोर शोर से आवाज आती रहती है । त्योहार के नाम पर आयोजक डीजे बजाते है ऐसी अवस्था मे हुड़दंग होने की भी संभावनाए रहती है। आजकल कानून का प्रावधान रहता है। समय पर डीजे बंद करने का पर कई जगह इसका उलंघन किया जाता है । इसके समाधान के लिए सबसे पहले आम जनता को समझना होगा त्योहार आस्था और खुशी मनाने के लिए होता है ना कि दुसरो को परेशान करने के लिए मनाये जाये प्रशासन को भी इसमे सख्ती से नियम लागू करने के लिए लोगो को बोलना होगा।

संस्कृत शिक्षिका कमलेश आर्य कहती हैं -"दूसरों का ख्याल रखने का जमाना खत्म हो गया है। इतने शोर में जब मनुष्य खुद की आवाज नहीं सुन पा रहा है तो वह त्यौहार कैसे मना पायेगा।

आपको जानना चाहिए

भारत में डीजे साउंड सिस्टम की शुरुआत 1990 के दशक में हुई थी। यह कल्चर गोवा में 'इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक' और ट्रांस संगीत के साथ शुरू हुआ था। इसके बाद, 1990 के दशक के अंत तक, शादियों और पार्टियों में भी इसका प्रचलन तेजी से बढ़ने लगा।

नियम बना दिए गए हैं

भारत में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम पहली बार 14 फरवरी 2000 को लागू किए गए थे।

इस नियम को लागू करने का कारण है बढ़ता हुआ शोर, औद्योगिक गतिविधियों, वाहनों, निर्माण कार्यों और लाउडस्पीकरों के कारण सार्वजनिक स्थानों पर ध्वनि का स्तर लगातार बढ़ रहा था, जिससे आम जनता के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा था। अत्यधिक शोर से लोगों में नींद की कमी, तनाव, उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और सुनने की क्षमता में कमी जैसी गंभीर बीमारियां हो रही थीं। नागरिकों के स्वास्थ्य जीवन और शांति के अधिकार की रक्षा के लिए यह कदम उठाया गया। भारत में किसी भी क्षेत्र या शहर में लाउडस्पीकर बजाने के लिए Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 के तहत सख्त नियम लागू है।

सार्वजनिक स्थानों पर लाउडस्पीकर का उपयोग बिना लिखित अनुमति के नहीं किया जा सकता है? लाउडस्पीकर के उपयोग को नियंत्रित करने वाले प्रमुख मानक और दिशा-निर्देश इस प्रकार हैं: समय-सीमा के नियम अनुमत समय: लाउडस्पीकर सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही बजाए जा सकते हैं। रात में प्रतिबंध: रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक सार्वजनिक स्थानों पर लाउडस्पीकर बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध है।

खास खबर

सरजू बांधा शमशान घाट के लिए महापौर चौबे ने दिए 5 लाख, पाइपलाइन भी हुई दुरुस्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कृष्ण मित्र फाउंडेशन के अध्यक्ष माधव लाल यादव के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे से मुलाकात कर मुक्तिधाम की समस्याओं से अवगत कराया। फाउंडेशन ने बताया कि मुक्तिधाम का शवदाह शेड काफी समय से क्षतिग्रस्त था जिससे अंतिम संस्कार में बाधा आ रही थी। साथ ही परिसर की पाइपलाइन भी खराब थी।

महापौर ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए शेड की मरम्मत के लिए 5,00,000 की राशि तत्काल स्वीकृत कर दी। साथ ही क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को भी ठीक करवाया गया। अब गर्मी में पेड़-पौधों की सिंचाई और संस्कार में आने वाले लोगों को पानी की दिक्कत नहीं होगी। इस जनहितैषी कार्य के लिए फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल जिसमें उपाध्यक्ष रतन बैद, सचिव गोवर्धन झंवर, संजय चंद्राकर, धन्नू लाल देवांगन, रवि धनगर, राजेश ठाकुर ने महापौर जी के प्रति आभार व्यक्त किया है। फाउंडेशन के अध्यक्ष माधव लाल यादव ने कहा कि शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा।

राज्यपाल रमेन डेका को प्रमुख लोकायुक्त ने सौंपा आयोग का वार्षिक प्रतिवेदन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से मंगलवार को लोकभवन में प्रमुख लोकायुक्त इंदर सिंह उबोवेजा ने भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को छत्तीसगढ़ लोक आयोग के गतिविधियों की जानकारी दी और आयोग का वर्ष 2025-26 का वार्षिक प्रतिवेदन सौंपा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ लोक आयोग के सचिव दीपक अग्रवाल, उप सचिव चित्रलेखा सोनवानी, कानूनी सलाहकार अजीत कुमार राजभानु एवं आयोग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सूरजपुर में आई बाढ़, आवागमन पूरी तरह प्रभावित

सूरजपुर। जिले में पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। रामानुजनगर क्षेत्र के मोहनपुर स्थित झींक नदी के पुल के ऊपर से पानी बहने लगा है, जिससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। पुल पर पानी चढ़ने के कारण कई बसों को रास्ते में रोकना पड़ा, वहीं आसपास के गांवों का मुख्यालय से संपर्क भी टूट गया है। लगातार बारिश के चलते झींक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। मोहनपुर के पास बने पुल के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। सुरक्षा के मद्देनजर लोगों को पुल पार नहीं करने की सलाह दी जा रही है। पुल के ऊपर पानी बहने से श्यामपुर, उमेश्वरपुर सहित कई गांवों का रामानुजनगर मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। ग्रामीणों को आवश्यक कार्यों के लिए आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बीएसपी की नई लीज नीति से व्यापारियों को राहत, न्यायालयीन मामलों की आड़ में नहीं होगी कार्रवाई

ज्ञानचंद जैन ने टाउनशिप के व्यापारियों की ओर से उठाए कई महत्वपूर्ण मुद्दे

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) प्रबंधन और स्टील सिटी चैंबर ऑफ कॉमर्स सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में टाउनशिप के व्यापारियों, संस्थाओं और नागरिकों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में बीएसपी अधिकारियों ने स्पष्ट आश्वासन दिया कि न्यायालय में लंबित प्रकरणों की आड़ में किसी भी दुकानदार, संस्था या लाइसेंसधारी को परेशान नहीं किया जाएगा और न ही किसी प्रकार का नोटिस जारी किया जाएगा, चाहे मामला जिला न्यायालय, हाईकोर्ट अथवा सुप्रीम कोर्ट में लंबित हो।

अधिकारियों ने बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र की नई लीज नीति जारी होने की तिथि से प्रभावी होगी तथा इसी नीति के अनुरूप सभी पात्रों को सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। बैठक में स्टील सिटी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने टाउनशिप के व्यापारियों की ओर से कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने मूल प्रीमियम राशि के 25 प्रतिशत भुगतान के प्रावधान पर पुनर्विचार करने का आग्रह करते हुए इसे व्यापारियों के लिए अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि बीएसपी प्रबंधन ने सभी समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से करने का भरोसा दिया है।

बैठक में सीवरेज, सड़क, बिजली, कचरा उठाने, दुकानों की समस्याएं, सेवानिवृत्त कर्मचारियों, लाइसेंसधारियों तथा विभिन्न बाजार क्षेत्रों की परेशानियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। प्रत्येक प्रतिनिधि को अपनी बात रखने का अवसर दिया गया, जिस पर अधिकारियों ने सकारात्मक वातावरण में कार्य करने और समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। ज्ञानचंद जैन ने कहा कि स्टील सिटी चैंबर व्यापारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और प्रभावित पक्षों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है तथा शहर के विकास और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए बीएसपी प्रबंधन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेगा।

बैठक में बीएसपी अस्पताल से जुड़े मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए। चैंबर की ओर से विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए एम्स के समकक्ष वेतनमान देने, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की नियमित भर्ती करने तथा अस्पताल सेवाओं में आउटसोर्सिंग से बचने की मांग रखी गई। प्रतिनिधियों ने कहा कि बीएसपी अस्पताल शहर का प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है, जहां बीएसपी कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में तृतीय पक्ष उपभोक्ता भी उपचार के लिए निर्भर हैं। बैठक में गुरु घासीदास सतनाम भवन, गुजराती समाज, दिगंबर जैन समाज, मानव सेवा परिसर, फ्रंटियर भवन, भिलाई मस्जिद ट्रस्ट, सिंधु ब्रादर मंडल, भिलाई मलयालम ग्रंथशाला, पंजाबी भाईचारा, राधा स्वामी सत्संग समिति, केरला समाजम सहित अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बीएसपी की ओर से मुख्य महाप्रबंधक शेखर श्रीनिवास सहित लीज, हाउस, सिविल इंजीनियरिंग, पीएचडी, विद्युत एवं एनफोसमेंट विभाग के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

बैठक के अंत में स्टील सिटी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं को नई नीति में दी गई राहत के लिए भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल), भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन, केंद्रीय मंत्री, दुर्ग सांसद तथा अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पीएम इंटर्नशिप योजना : 40 युवाओं को मिला ओरिएंटेशन व औद्योगिक प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / 00000

बीएसपी के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास (एचआर-एल एंड डी) विभाग द्वारा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के अंतर्गत चयनित 40 प्रशिक्षुओं के लिए ओरिएंटेशन एवं औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जुलाई माह में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को औद्योगिक कार्यप्रणाली, संगठनात्मक संस्कृति तथा इस्पात उद्योग की उत्पादन प्रक्रियाओं से व्यावहारिक रूप से परिचित कराना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दो दिवसीय ओरिएंटेशन सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रशिक्षुओं को भिलाई इस्पात संयंत्र की कार्यप्रणाली, एकीकृत इस्पात संयंत्र की उत्पादन प्रक्रिया, औद्योगिक सुरक्षा, कार्यस्थल अनुशासन तथा संगठनात्मक कार्य संस्कृति की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके पश्चात दो दिवसीय संयंत्र भ्रमण का आयोजन किया गया, जिसके दौरान प्रशिक्षुओं ने संयंत्र की प्रमुख उत्पादन इकाइयों का अवलोकन कर विभिन्न औद्योगिक प्रक्रियाओं एवं आधुनिक उत्पादन प्रणालियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई पीएमआईएस का उद्देश्य युवाओं को शैक्षणिक शिक्षा के साथ उद्योगों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर शिक्षा एवं उद्योग के मध्य की दूरी को कम करना, उनकी रोजगार क्षमता का विकास करना तथा उन्हें भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाना है। यह योजना कुशल एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

यह कार्यक्रम महाप्रबंधक प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समन्वय में उप प्रबंधक सुष्मिता पाटला, सेक्शन अधिकारी स्वतंत्र कुमार तथा टेक्निकल एसोसिएट मनीष कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कांग्रेस ने पैदल मार्च निकालकर सौंपा ज्ञापन, विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

चंद्रशेखर आजाद स्कूल में विद्यार्थियों के कथित रूप से संदिग्ध दवाइयों-नशीले पदार्थ के संपर्क में आने से तबीयत बिगड़ने की घटना को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग शहर के जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेस भवन से गंजपारा होते हुए कोतवाली थाना तक पैदल मार्च निकाला तथा पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच की मांग की।

इस अवसर पर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि हाल ही में 6-7 स्कूली विद्यार्थियों के एक साथ बीमार पड़ने की घटना ने पूरे शहर के अभिभावकों को चिंता में डाल दिया है। विद्यालय बच्चों के भविष्य निर्माण का केंद्र होता है, ऐसे में यदि किसी भी प्रकार की दवा या नशीला पदार्थ विद्यार्थियों तक पहुंचता है तो यह अत्यंत गंभीर विषय है और इसकी हर पहलू से गहन जांच होना आवश्यक है।

धीरज बाकलीवाल ने कहा कि प्रशासन केवल प्रारंभिक बयानों के आधार पर मामले का निष्कर्ष न निकाले। यह स्पष्ट किया जाए कि संबंधित दवा विद्यालय तक कैसे पहुंची, अन्य विद्यार्थियों तक किस परिस्थिति में पहुंची तथा कहीं इस पूरे घटनाक्रम में किसी प्रकार की लापरवाही या आपराधिक संलिप्तता तो नहीं है। यदि किसी भी स्तर पर दोष या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने मांग की कि जिले के सभी स्कूलों एवं उनके आसपास नियमित रूप से विशेष जांच अभियान चलाया जाए। साथ ही विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों एवं पुलिस प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को नशे एवं प्रतिबंधित दवाइयों के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

धीरज बाकलीवाल ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा किसी भी सरकार और प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। जिला कांग्रेस कमेटी इस विषय पर किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं करेगी। यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

पैदल मार्च एवं ज्ञापन सौंपने के दौरान नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, रायसिंह दिकोला, राजेश यादव, प्रेमलता साहू, दीपक साहू, अविनाश यादव, अब्दुल गनी, क्लॉक अध्यक्ष अल्ताफ अहमद, आनंद कपूर ताम्रकार, कुलदीप भाटिया, देवश्री साहू, ज्ञानू बांगडे, प्रवक्ता सुशील भारद्वाज, ओमप्रकाश जोशी, रतना नरमदेव, निकिता मिलिंद, बिंदु राजपूत, मुकेश साहू, मीना पॉल, मीना मानिकपुरी, सरिता ताम्रकार, अविनाश कुमार निषाद, काशीराम रात्रे, सुनीत घोष, अशोक मेहरा, भूपेंद्र सेन, रघुवीर साहू, देव सिंह, बंटी नवरंग, देवेंद्र मारकंडे, चिराग शर्मा, अमोल जैन, आयुष शर्मा, मनीष सोनवानी, सोनू साहू, संजय सिंह, मनीष सोनी, माहेश्वरी ठाकुर, जमुना साहू, देवी साहू, युवराज ठाकुर, सुनीता देवांगन, तिरेंद्र देवांगन, शिव वैष्णव, नंदकिशोर शर्मा, एजाज खान, गौरव उमरे, अश्वनी निषाद, शंकर ठाकुर, भीमसेन, शिशिर कसर, अली असगर, प्रकाश शिवांकर, ईश्वर साहू, मनोज सिन्हा, शत्रुघ्न चक्रधारी, शानू खान, रवि कोसरिया, अनिल देशमुख, ममता गुप्ता, रानी देवांगन, राजा विक्रम बघेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेनिफर विंगेट ने विलियम इश्माएल से रचाई शादी

जेनिफर विंगेट इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। उनकी शादी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि एक्ट्रेस ने बॉयफ्रेंड विलियम से शादी कर ली है। इन अटकलों पर अब खुद जेनिफर ने विराम लगा दिया है। उन्होंने अपनी और विलियम इश्माएल की शादी की पुष्टि कर दी है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया है।

जेनिफर विंगेट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उनकी और विलियम की शादी की झलकियां हैं। दोनों ने क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी की है। जेनिफर सफेद रंग के गाउन में नजर आ रही हैं। वहीं, विलियम ब्लू कलर के सूट में हैं।

सितारे मिल गए

एक तस्वीर में कपल ने एक-दूसरे का हाथ थामा हुआ है। जेनिफर अपनी अंगूठी फ्लॉन्ट करती दिखी हैं। वहीं, एक फोटो में वे एक-दूजे को किस करते दिखे हैं। जेनिफर ने पोस्ट में विलियम को भी टैग किया है। साथ ही लिखा है, 'और, आखिरकार हमारे सितारे मिल गए'।

क्या करते हैं विलियम

वीडियो के साथ जेनिफर ने लिखा है, 'हमारी शादी संपन्न हुई। लेडीज और जेंटलमैन...आप सभी को आधिकारिक रूप से अपने पति से मिलवा रही हूं'। अभिनेत्री के पोस्ट पर फैंस बधाई दे रहे हैं। जेनिफर जहां अभिनय की दुनिया में सक्रिय हैं, वहीं उनके पति विलियम इश्माएल सिंगापुर के बिजनेसमैन हैं। करण सिंह ग्रोवर से हुई थी पहली शादी बता दें कि यह जेनिफर की दूसरी शादी है। इससे पहले साल 2012 में उन्होंने अभिनेता करण सिंह ग्रोवर से शादी की थी। हालांकि, बाद में दोनों की राहें जुदा हो गईं। साल 2014 में दोनों का तलाक हो गया।

रकुल प्रीत सिंह ने की तेलुगु और बॉलीवुड जगत की तुलना

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने दोनों इंडस्ट्रीज में काम करने के माहौल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि टॉलीवुड में लोग एक बड़े परिवार की तरह काम करते हैं, जबकि बॉलीवुड में माहौल अलग होता है।

तेलुगु और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में क्या फर्क

रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही बताया कि तेलुगु इंडस्ट्री ने हमेशा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है और सपोर्ट किया है। रकुल के मुताबिक, वहां के एक्टर्स, डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे खुशी-खुशी एक-दूसरे के ट्रेलर को प्रमोट करते हैं। फिल्म इवेंट्स में शामिल होते हैं और साथ मिलकर सफलता का जश्न मनाते हैं। उन्हें लगता है कि इस तरह का सपोर्ट सभी के लिए एक खुशहाल और अच्छा माहौल बनाता है।

हिंदी इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते

रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि उन्होंने क्या सीखा? उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम सच में पीछे हैं। मेरी ट्रेनिंग तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में हुई है और वह इंडस्ट्री बहुत एकजुट है। मैंने कई बार कहा है कि जब मैं बॉम्बे आई, तो मुझे अचानक एहसास हुआ कि हर कोई इतना कॉम्पिटिटिव क्यों है? वहां भी कॉम्पिटिशन है, लेकिन लोग एक-दूसरे की फिल्मों को सपोर्ट करते हैं। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें अक्सर लोगों में असुरक्षा की भावना महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कई लोग खुलकर दूसरों की फिल्मों को सपोर्ट नहीं करते हैं।

बॉलीवुड में असुरक्षा की भावना

रकुल प्रीत सिंह ने आगे कहा, 'हम एक-दूसरे की फिल्म की स्क्रीनिंग या प्रीमियर में जाते थे। उसके बारे में बात करते थे या सक्सेस पार्टी में जश्न मनाते थे। ऐसा नहीं था कि कौन जा रहा है, इसलिए मैं भी जाऊंगी। हर कोई बस एक-दूसरे की मदद के लिए तैयार रहता था। मुझे लगता है कि अगर हम मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री में भी वैसी ही भावना ले आएं, तो हम सच में बहुत मजबूत बन सकते हैं। मुझे लगता है कि असुरक्षा की भावना ऐसा नहीं करने देती और यह खुद पर काम करने वाली बात है। रकुल प्रीत सिंह का मानना है कि अगर लोग एक-दूसरे का साथ दें और सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री और भी मजबूत हो सकती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें रकुल को आखिरी बार 'पति पत्नी और वो 2' में देखा गया था। इसमें आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और सारा अली खान भी अहम रोल में नजर आए।

राघव जुयाल संग डेटिंग की अफवाहों पर शहनाज गिल ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में शहनाज गिल और राघव जुयाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था, जिसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब शहनाज ने इन अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

एक इंटरव्यू के दौरान जब शहनाज से राघव जुयाल के साथ उनके रिश्ते को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने अपनी निजी जिंदगी पर बात करने से साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'प्लीज मुझसे पर्सनल सवाल मत पूछिए।'

शहनाज ने राघव को अपना बेहद करीबी और अच्छा दोस्त बताया। उन्होंने अफेयर की खबरों पर ध्यान न देते हुए बातचीत का रुख राघव के काम की तरफ मोड़ दिया।

फैंस से की फिल्म देखने की अपील

शहनाज ने राघव की आने वाली फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को सपोर्ट करने की अपील की है। उन्होंने राघव की तारीफ करते हुए कहा, राघव पहली बार किसी फिल्म में बतौर मुख्य अभिनेता नजर आने वाले हैं। उनका कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं है, उन्होंने आज जो भी मुकाम हासिल किया है वह सिर्फ अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर किया है। इसलिए, सभी लोग सिनेमाघरों में जाकर उनकी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को जरूर देखें और उन्हें पूरा सपोर्ट करें।

कब रिलीज होगी 'भाई तेरा स्टार है'

फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' दुनिया भर के सिनेमाघरों में 30 जुलाई 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक बी. अग्रवाल ने किया है। यह एक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में राघव जुयाल मुख्य भूमिका (अजय सिंह) में नजर आएंगे, साथ ही संजय कपूर और निहारिका एनएम भी प्रमुख किरदारों में हैं।

जान्हवी कपूर की झोली में आई नई फिल्म

ऐसा लगता है कि जान्हवी कपूर 'पेद्दी' के विवाद से उबर गई हैं। इस मामले के लगभग एक महीने के बाद अभिनेत्री ने निर्देशक उमेश बिष्ट के साथ अपनी अगली बड़ी फिल्म साइन की है। वैरायटी जान्हवी कपूर का नया प्रोजेक्ट का अभी तक कोई शीर्षक नहीं है। इसे एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स और गुनीत मोंगा की सिख्या एंटरटेनमेंट का समर्थन मिला है। कलाकार और क्रू इस साल अक्तूबर-नवंबर के आसपास शूटिंग शुरू करेंगे। कहानी, शैली और कलाकारों के संबंध में अभी तक ज्यादा जानकारी नहीं है। दूसरी ओर, उमेश बिस्ट 'पगलैट 2' के निर्देशन में भी व्यस्त हैं। यह 2021 नेटफ्लिक्स फिल्म की अगली कड़ी है। उम्मीद है कि सान्या मल्होत्रा संध्या के रूप में अपनी मुख्य भूमिका निभाएंगी। दूसरा भाग कहानी को आगे बढ़ाएगा। आपको बता दें कि 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर की भूमिका ने सिनेमा में महिलाओं के वस्तुकरण पर एक बहस छेड़ दी थी। कई दर्शकों ने फिल्म के कैमरा एंगल, क्लोज-अप शॉट्स और रोमांटिक दृश्यों की आलोचना की थी। लोगों का कहना था कि मेकर्स ने अभिनेत्री के चरित्र को एक सार्थक भूमिका देने के बजाय उसे एक दृश्य वस्तु में बदल दिया।

मैंने हमेशा मजबूत महिला किरदारों का समर्थन किया

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि उन्होंने अपने पूरे फिल्मी करियर में हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है, जिनमें महिलाओं के मजबूत और प्रभावशाली किरदार कहानी का केंद्र हों। उनका मानना है कि सिनेमा में महिलाओं की दमदार आवाज और उनकी अहम भूमिका को और अधिक जगह मिलनी चाहिए। अनिल कपूर ने अपनी नई फिल्म 'अल्फा' को लेकर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करते हुए अपने विचार रखे। उन्होंने लिखा कि उनका यह विश्वास सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके निजी जीवन की मजबूत महिलाओं ने भी उनकी इस सोच को और मजबूत बनाया है। अभिनेता अनिल कपूर ने लिखा, 'मैं हमेशा से मानता आया हूं कि हमें ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जिनमें मजबूत महिला मुख्य किरदार और उनकी आवाज हो। चाहे वर्षों पहले 'जुदाई' और 'लम्हे' जैसी फिल्मों में अभिनय करना हो या 'खूबसूरत', 'वीरे दी वेडिंग' और 'क्रू' जैसी फिल्मों का निर्माण करना, मैंने हमेशा ऐसी महिला किरदारों का समर्थन किया है जो कहानी की धुरी हों।'

उन्होंने अपनी बेटियों सोनम कपूर और रिया कपूर के साथ-साथ अपनी पत्नी को भी अपनी इस सोच की प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा, 'शायद इसकी वजह यह है कि मैं दो बेहद मजबूत बेटियों का पिता और एक बेहद सशक्त महिला का पति हूं। या फिर इसलिए कि महिलाओं की ऊर्जा दुनिया को बदल रही है और यह जीवन की सच्चाई है।'

अनिल कपूर ने कहा कि उन्हें आदित्य चोपड़ा, शिव, बॉबी, आलिया, शरवरी और पूरी वाईआरएफ टीम के साथ काम करके खुशी हुई, क्योंकि वे भी महिलाओं को केंद्र में रखकर कहानियां बनाने में विश्वास रखते हैं। ऐसी सोच ही 'अल्फा' जैसी फिल्मों को संभव बनाती है। बता दें कि 'अल्फा', वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है।

रसिका दुग्गल ने बताया कैसे मिला 'मिर्जापुर' का किरदार

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने अपने अलग तरह के किरदारों से इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उन्हें पहचान 'मिर्जापुर' सीरीज के उनके 'बीना त्रिपाठी' के किरदार से ही मिली। अब 'मिर्जापुर' फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। इसमें एक बार फिर रसिका बीना त्रिपाठी के किरदार में नजर आएंगी। लेकिन हाल ही में रसिका ने बताया कि बीना का किरदार उन्हें किस्मत से मिल गया। सही मौके पर सही जगह होने के चलते उन्हें अपने करियर का सबसे लोकप्रिय किरदार मिला।

अपने दोस्त से रोल मांगने में घबरा रही थीं रसिका

बातचीत में रसिका दुग्गल ने 'मिर्जापुर' के अपने किरदार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'मिर्जापुर' लगभग नहीं हो पाता। हालांकि वह इसके क्रिएटर करण अंशुमन को जानती थीं, लेकिन उनसे काम मांगने में उन्हें हिचकिचाहट हो रही थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मिर्जापुर के लिए मैं करण अंशुमन को जानती थी, जो सीजन 1 के क्रिएटर और डायरेक्टर में से एक थे। किसी ने मुझे बताया कि वह यह शो बना रहे हैं। मैंने कहा, 'अगर करण मुझे कास्ट करना चाहते, तो वह मुझे बुलाते।' मेरी दोस्त ने कहा, 'तुम उन्हें याद दिलाने के लिए एक मैसेज क्यों नहीं भेजतीं?' मैंने कहा, 'मैं उनके लिए स्थिति अजीब नहीं बनाना चाहती। दोस्तों का मैसेज आना कि 'रोल दे दो,' ऐसी स्थिति है जिससे आप आसानी से निकल नहीं सकते।' लेकिन फिर मैंने कहा ठीक है, मैं उन्हें मैसेज करूंगी।

किरदार को लेकर काफी नर्वस थीं

उस फैसले ने सब कुछ बदल दिया। रासिका ने आगे कहा कि मुझे एक मिनट के अंदर ही जवाब मिला, 'बिल्कुल, चलो इस बारे में मिलते हैं।' जब मैं उनसे मिली, तो उन्होंने कहा, 'मैंने तुमसे इसलिए नहीं पूछा क्योंकि तुम 'मंटो' में नवाज के अपोजिट कास्ट हुई थीं। मुझे लगा कि शायद तुम स्ट्रीमिंग शो नहीं करना चाहतीं। शायद तुम सिर्फ फिल्में करना चाहती हो।' मैंने कहा, 'क्या आप पागल हैं? बिल्कुल, मैं यह जरूर करूंगी।' जब मैंने वह हिस्सा पढ़ा, तो मुझे लगा, 'वाह, शुक्रिया।'

मैं लगभग डर ही गई थी। यह मेरे लुक से इतना अलग था कि मुझे लगा कि कहीं ये लोग बीच में अपना मन न बदल लें। कभी-कभी जब मैं रीडिंग के लिए ऑफिस जाती थी, तो सोचती थी, 'शिट, उम्मीद है उन्हें ऐसा न लगे कि मैं यह नहीं कर पाऊंगी।' मैं बहुत नर्वस थी कि क्या मैं इसे ठीक से निभा पाऊंगी या नहीं। सोचिए, बस एक मैसेज। अगर मैंने वह मैसेज न भेजा होता, तो क्या होता? 'मिर्जापुर' की सफलता ने बीना त्रिपाठी को इंडियन स्ट्रीमिंग के सबसे यादगार किरदारों में से एक बना दिया।

किस्मत से मिला 'दिल्ली क्राइम' में रोल

एक्ट्रेस ने 'दिल्ली क्राइम' में अपनी कास्टिंग को लेकर भी बताया। उन्होंने बताया कि कैसे किस्मत से उन्हें यह रोल मिला। एक्ट्रेस ने कहा कि इसी तरह 'दिल्ली क्राइम' के मामले में भी सही समय पर सही जगह पर होना काम आया। मैं 'मेड इन हेवन' की शूटिंग कर रही थी, जिसमें मेरा छोटा सा रोल था। मैं रिची मेहता को जानती थी क्योंकि हम फिल्म फेस्टिवल में मिल चुके थे, जब मैं 'किस्सा' के साथ ट्रैवल कर रही थी। लेकिन मुझे नहीं पता था कि वह कुछ नया बना रहे हैं और मैंने उनसे संपर्क भी नहीं किया था। इत्तेफाक से रिची उसी लोकेशन पर आए जहां हम 'मेड इन हेवन' की शूटिंग कर रहे थे, ताकि वह अपने किसी दूसरे शो के लिए लोकेशन का जायजा कर सकें। मजेदार बात यह है कि वह शो तो नहीं बना, लेकिन 'दिल्ली क्राइम' बन गया। उन्होंने सोचा, 'अरे, मैं अभी रसिका से मिला। वह इस रोल के लिए बहुत अच्छी रहेगी।' एक्ट्रेस का मानना है कि टैलेंट इस पूरी प्रक्रिया का बस एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह किस्मत की बात है। सही जगह, सही समय। यह सब उसी पर निर्भर करता है।

अवार्ड पारित प्रकरणों में रिकॉर्ड दुरुस्ती का कार्य करें पूर्ण : कलेक्टर तुलिका प्रजापति

नक्शा बंटांकन कार्य में तेजी लाने के लिए पटवारियों को लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व, आबकारी एवं खनिज विभाग के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक लेकर विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मिथलेश डोंडे, एसडीएम मोहला हेमेंद्र भुआर्य, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा राजस्व, आबकारी एवं खनिज विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर प्रजापति ने तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अविवादित एवं विवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन तथा भू-अर्जन जैसे विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने स्वामित्व योजना की प्रगति एवं सर्वे कार्यों की समीक्षा करते हुए अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने नक्शा बंटांकन कार्य में तेजी लाने के लिए पटवारियों को लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही अदिनांकित प्रकरणों को समय-सीमा में अद्यतन करने के निर्देश रीडरों को दिए। उन्होंने एग्रीस्टैक पंजीयन की समीक्षा करते हुए भी प्रगति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर प्रजापति ने जिले में विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत हुए भू-अर्जन की समीक्षा करते हुए अनुविभागवार प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अवार्ड पारित होने के पश्चात अर्जित भूमि के रिकॉर्ड दुरुस्ती का कार्य तत्काल पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने डिजिटल हस्ताक्षरित खसरों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आस्था केंद्र, ठाकुरदेव एवं जिम्मीदारिन को अभिलेखित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने वासिल बाकी नवीस द्वारा कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं लाने पर गहरी नाराजगी जताई तथा रजिस्टरों का नियमित संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर प्रजापति ने तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर राजस्व प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि प्रकरणों के निराकरण में गुणात्मक सुधार हो सके। उन्होंने एसडीएम को तहसीलदारों द्वारा निराकृत प्रकरणों का नियमित अवलोकन एवं समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

लंबित राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से करें निराकरण

कलेक्टर प्रजापति ने राजस्व न्यायालयों में दर्ज लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रकरणों के निराकरण में निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए तथा किसी प्रकार की लेटलतीफी नहीं होनी चाहिए। साथ ही जो प्रकरण समय-सीमा से बाहर हैं और लंबे समय से लंबित हैं, उनके निराकरण में भी समयबद्ध तेजी लाई जाए।

अवैध शराब पर करें कार्रवाई, खनिज प्रभावित क्षेत्रों के कार्यों का करें मॉनिटरिंग

कलेक्टर प्रजापति ने आबकारी एवं खनिज विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों की जानकारी लेते हुए आबकारी विभाग को अवैध शराब के विक्रय एवं परिवहन पर सख्त कारर्वाई करने के निर्देश दिए।

खनिज विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने राजस्व लक्ष्य एवं प्राप्ति की जानकारी ली तथा अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन पर कड़ी निगरानी रखते हुए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनिज प्रभावित ग्रामों एवं वहां किए जा रहे कार्यों की सूची तैयार की जाए, ताकि प्रभावित ग्रामों में आवश्यक विकास कार्य बेहतर ढंग से कराए जा सकें।

खास खबर

जनदर्शन में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने सुनीं समस्याएं, जनदर्शन में 75 आवेदन प्राप्त हुए

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टरेट में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया।

आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 75 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चलित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

परिवहन विभाग और यातायात विभाग ने विद्यार्थियों की सुरक्षा के दृष्टिगत 101 स्कूल बसों की जांच की गई

राजनांदगांव। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विद्यार्थियों की सुरक्षा के दृष्टिगत जारी निर्देशों के परिपालन में परिवहन विभाग एवं यात्रायात विभाग द्वारा पुलिस रक्षित केन्द्र राजनांदगांव में स्कूली बसों की जांच की गई। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अनिल कुमार भगत ने बताया कि इस दौरान 101 स्कूली वाहनों के 16 बिन्दुओं के अतिरिक्त वीएलटीडी व पैनिक बटन की जांच की की गई। जांच में कुछ वाहनों में कमी पाए जाने पर उसे पूरा कर दोबारा भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए। सभी वाहन चालक वर्दी वाहनों के साथ उपस्थित हुए।

यातायात प्रभारी नवरत्न कश्यप ने सभी वाहन चालकों को वाहन धीमी गति से चलाने, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने, स्कूल द्वारा अनुमोदित चालक ड्रेस पहन कर वाहन चलाने तथा परिचालकों को वाहन खड़ी होने के बाद ही बच्चों को नीचे उतारने व रोड पार कराने के निर्देश दिए। स्कूल बसों की जांच की कार्रवाई में परिवहन उप निरीक्षक सोनम लालचंदानी, येनलाल चन्द्राकर, शिवलाल सिंह कंवर, रामकरण रात्रे, मिथलेश कुमार महार, कपिल श्रीवास्तव, मिलाप बरेठ, रविकांत देवांगन, सुखदेव साहू, यशोदा साहू, रमाकांत, केशव राजपूत, विपिन मेहर शामिल थे।

स्वामित्व कार्ड ग्रामीणों के आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की चाबी : डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष स्वामित्व योजनांतर्गत स्वामित्व पट्टा वितरण कार्यक्रम में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह स्पीकर निवास में आयोजित स्वामित्व योजना अंतर्गत स्वामित्व पट्टा वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम ईरा, मनकी, आरला, बांकल एवं कुसमी के 150 हितग्राहियों को स्वामित्व पट्टों का वितरण किया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपलब्ध कराई गई एम्बुलेंस एवं स्वच्छता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि स्वामित्व कार्ड केवल कागज का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि ग्रामीणों के आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता की चाबी है। उनके कानूनी अधिकार का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि वर्षों से ग्रामीण आबादी की भूमि का स्पष्ट रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 अप्रैल 2020 को प्रारंभ की गई स्वामित्व योजना के माध्यम से अब प्रत्येक ग्रामीण परिवार को उसकी आवासीय भूमि का प्रमाणित अभिलेख उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक ड्रोन सर्वे एवं डिजिटल मैपिंग के माध्यम से गांवों की आबादी भूमि का सर्वेक्षण किया गया है। अब प्रत्येक मकान एवं भूमि का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का विधिवत स्वामित्व प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि जिले के अनेक गांवों में सर्वे एवं अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा चरणबद्ध तरीके से सभी गांवों में शिविर लगाकर स्वामित्व कार्ड वितरित किए जाएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि स्वामित्व कार्ड मिलने से ग्रामीण अपनी संपत्ति का विधिक प्रमाण प्राप्त करेंगे। इसके आधार पर बैंकों से ऋण प्राप्त करना भी आसान होगा, जिससे ग्रामीण आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह योजना गांवों के विकास एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उल्लेख करते हुए ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में अपने घरों की छतों पर सोलर संयंत्र स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा सोलर संयंत्र स्थापना पर आकर्षक अनुदान दिया जा रहा है। इससे बिजली का बिल शून्य होने के साथ अतिरिक्त बिजली उत्पादन से आय अर्जित करने का अवसर भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिन हितग्राहियों को स्वामित्व कार्ड प्राप्त हुआ है, वे इस दस्तावेज के आधार पर बैंक से ऋण लेकर भी सोलर संयंत्र स्थापित कर सकते हैं और योजना का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल 2020 को प्रारंभ की गई स्वामित्व योजना ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार प्रदान करने वाली ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने बताया कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत ड्रोन तकनीक से गांवों का सर्वे कर डिजिटल नक्शा तैयार किया जाता है तथा संपत्ति का अधिकार अभिलेख प्रदान किया जाता है। कलेक्टर ने बताया कि राजनांदगांव जिले के 654 ग्रामों में प्रॉपर्टी कार्ड तैयार किए जाने हैं। इनमें से 186 ग्रामों का अंतिम प्रकाशन किया जा चुका है। पूर्व में 24 ग्रामों के 1 हजार 283 हितग्राहियों को प्रॉपर्टी कार्ड वितरित किए जा चुके हैं तथा शेष ग्रामों में अधिकार अभिलेख तैयार करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि आज 5 ग्रामों के 150 हितग्राहियों को प्रॉपर्टी कार्ड प्रदान किए गए। कलेक्टर ने कहा कि स्वामित्व योजना से ग्रामीणों को उनकी संपत्ति पर कानूनी अधिकार मिलेगा, बैंक से ऋण प्राप्त करने में सुविधा होगी, भूमि संबंधी विवादों में कमी आएगी तथा पंचायतों के पास गांवों का सटीक डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध होगा, जिससे विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि संपत्ति कार्ड में पति-पत्नी दोनों का नाम दर्ज किए जाने से महिलाओं को भी संपत्ति में समान अधिकार और सशक्तिकरण का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा, जिला सहकारी केन्द्र बैंक मार्यादित के अध्यक्ष सचिन बघेल, जनपद पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर, अध्यक्ष राजगामी संपदा न्यास श्रीमती पूर्णिमा साहू, कोमल सिंह राजपूत, भरत वर्मा, संतोष अग्रवाल, रमेश पटेल, सौरभ कोठारी, श्रीमती रेखा मेश्राम, सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल, एसडीएम श्रीकांत कोराम सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, हितग्राही उपस्थित थे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बालिकाओं को नि :शुल्क केक निर्माण का मिला प्रशिक्षण

पांच दिवसीय प्रशिक्षण से स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगी बालिकाएं

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

भारत सरकार की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बालिकाओं को कौशल विकास से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग, बेमेतरा द्वारा पांच दिवसीय निःशुल्क केक निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एकीकृत बाल विकास परियोजना साजा के अंतर्गत थानखम्हरिया सेक्टर में आयोजित किया जा रहा है।

यह प्रशिक्षण कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार, जिला कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी सी.पी. शर्मा के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को व्यावसायिक कौशल प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी बालिकाओं को केक निर्माण की आधुनिक तकनीकों, केक की आकर्षक सजावट, गुणवत्ता बनाए रखने के उपाय, स्वच्छता के मानकों तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद बालिकाएं स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगी।

प्रशिक्षण के प्रथम दिवस प्रतिभागियों को प्रशिक्षण की रूपरेखा से अवगत कराया गया। साथ ही केक निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री एवं उपकरणों की जानकारी दी गई तथा केक बनाने की प्रारंभिक विधियों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षकों ने बालिकाओं को नियमित रूप से प्रशिक्षण में भाग लेने, अपने कौशल को निरंतर विकसित करने तथा भविष्य में स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में सेक्टर सुपरवाइजर, मिशन शक्ति से जेंडर विशेषज्ञ तमन्ना, सखी वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक राखी यादव, केक प्रशिक्षक तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के कौशल विकास प्रशिक्षण बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें रोजगारपरक अवसर उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने किया ग्राम पंचायतों का निरीक्षण

विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं की प्रगति का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने जनपद पंचायत डोंगरगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत तुमड़ीबोड़, माचनपार, दीवानभेड़ी एवं ओदारबांध का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्राम पंचायत तुमड़ीबोड़ में निर्माणाधीन अटल समरसता भवन एवं अटल डिजिटल सुविधा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम पंचायत में कर (टैक्स) वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए सचिव से ऑनलाइन पोर्टल में दर्ज आंकड़ों की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने सरपंच एवं हितग्राहियों से संवाद कर प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से प्राप्त हो रहे लाभ की जानकारी ली। उन्होंने शासकीय विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों की उपस्थिति तथा उन्हें उपलब्ध कराए जा रहे पौष्टिक आहार की भी जानकारी ली। ग्राम पंचायत माचनपार में उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्राम पंचायत ओदारबांध में वीएनएम के लिए चयनित स्थल का निरीक्षण किया तथा सरपंच से प्रस्तावित कार्य के संबंध में चर्चा की। उन्होंने ग्राम पंचायत दीवानभेड़ी में परकोलेशन टैंक में निर्मित इंजेक्शन वेल का निरीक्षण किया। साथ ही दीवानभेड़ी, मारगांव एवं गिरगांव की पहाड़ियों पर जल एवं मृदा संरक्षण के लिए बनाए गए लगभग 6 हजार कंटूर ट्रेंच का भी अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन संरचनाओं के नियमित रखरखाव एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत डोंगरगांव की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री रोशनी भगत टोप्पो, एसडीओ (आरईएस) श्रीकांत देवांगन, संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक | **कलेक्टर ने शिक्षा विभाग की वृहद समीक्षा बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश**

शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए टीम भावना से करें कार्य: कलेक्टर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेंद्र यादव ने बसंतपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जिले के सभी प्राचार्यों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्रोत समन्वयकों तथा संकुल समन्वयकों की वृहद समीक्षा बैठक लेकर शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने गत वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में जिले के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए सभी प्राचार्यों एवं शिक्षकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि टीम भावना और नवाचार के साथ कार्य करते हुए जरूरतमंद विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने शासन की विभिन्न योजनाओं एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति, ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली, पाक्षिक परीक्षण, वृक्षारोपण अभियान, प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रारंभिक तैयारी तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में सतत मॉनिटरिंग की व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में निरंतर सुधार हो सके। कलेक्टर ने बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी टीकाकरण अभियान की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुसार विद्यालयों में टीकाकरण किया जाएगा। सभी प्राचार्य पालकों की सहमति प्राप्त कर 14 एवं 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं का शत-प्रतिशत एचपीवी टीकाकरण सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की नोडल अधिकारी डॉ. मीना आरमो ने पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एचपीवी टीकाकरण की विस्तृत जानकारी दी। जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल ने कहा कि शासन स्तर से समय-समय पर विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां मांगी जाती हैं। सभी अधिकारी एवं प्राचार्य निर्धारित समय सीमा में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्यालयों में टीम भावना के साथ कार्य करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, ऑनलाइन कक्षाओं, एक पेड़ मां के नाम अभियान, पुस्तक स्कैनिंग तथा शाला अवधि में शिक्षकों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शाला अवधि के दौरान यदि कोई शिक्षक बिना अनुमति विद्यालय से अनुपस्थित पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कारर्वाई की जाएगी। बैठक में जिला मिशन समन्वयक सतीश ब्योहरे, जिला परियोजना अधिकारी श्रीमती रश्मि सिंह, एपीसी मनोज मरकाम, मनोज चौहान, आदर्श वासनिक, पीआर झाड़े, श्रीमती परिणीता शर्मा, श्रीमती कामिनी साहू, श्रीमती रोहिणी सिन्हा सहित संपर्क डिवाइस कार्यक्रम एवं विनोबा कार्यक्रम के जिला समन्वयक नरेंद्र साहू तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार अहिवारा, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

क्र./ /तह./वाचक 2024-25 अहिवारा, दिनांक 15.07.2025

प्रति,
श्रीमती राधिका देवी पति कपिलदेव सिंह
पता- रुआबांधा, गिलाई तहसील वो जिला दुर्ग (छ.ग.)

आपको एतद् द्वारा दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से आपको सूचना दी जाती है कि आवेदिका श्रीमती श्राबन्ती मन्ना ध.प. कपिल देव सिंह, जाति बंगाली, साकिन नंदनी टाउन शीष अहिवारा तहसील अहिवारा व जिला दुर्ग (छ०ग०) हाल मुकाम सुनील आई.ए. 604 सुरजबांग सोसाईटी, शेट आर.टी. स्कूल अहमदाबाद सिटी गुजरात द्वारा छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदक पेश कर लेख किया गया है कि मौजा बानबरद, प०ह०नं०-06 तहसील अहिवारा जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 232/1 रकबा 0.07 है। पंजीकृत बैनामा दिनांक 05.01.2001 को आप से क्रय किया गया है, उक्त भूमि का पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर भूधारक/विक्रेता अर्थात आपका नाम विलोपित कर क्रेता/आवेदिका के नाम पर नामांतरण दर्ज करने हेतु निवेदन किया जाकर आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, पंजीकृत बैनामा की छायाप्रति, वतर्मान खसरा बी-1, एवं अन्य दस्तावेज संलग्न कर पेश किया गया है।

प्रश्नाधीन उपरोक्त भूमि आपके नाम पर दर्ज है, आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर नामांतरण किया जाना प्रस्तावित है। अतएव आप अपना पक्ष रखने हेतु प्रकरण में सुनवाई हेतु नियत तिथि 29.07.2025 को 11:00 बजे इस न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है।

इस प्रकार उपस्थित न हो पाने एवं अपनी आपत्तियों पेश न कर पाने की दशा में यह मान लिया जाएगा, कि आपको उक्त कार्यवाही के संबंध में कोई आपत्ति नहीं है तथा प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

न्यायालय के सील-मुहर द्वारा जारी

तहसीलदार
अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.)
अहिवारा, दिनाँक 15.07.2026

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला-दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. .../अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक टोपचंद महिलांग आ./ध.प.स्व. भागवत महिलांग निवासी- वार्ड 14 भाटापारा कुरुद तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम - कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं.1275/3 रकबा 0.02 हे. है। जो भूमिस्वामी मेहत्तरू आ. परसराम के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी मेहत्तरू आ. परसराम की मृत्यु दिनांक 31/01/2018 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13/08/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/07/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

(रा.प्र.क्र.0/20231010100062/अ-6/वर्ष 2025-26)

प्रति,
1. नैना बाई वर्मा पति स्व. पन्नालाल
2. रोशन लाल वर्मा पिता स्व. फत्तेलाल वर्मा
3. हेमलाल वर्मा पिता स्व. फत्तेलाल वर्मा
4. तोषी वर्मा पिता स्व. फत्तेलाल वर्मा
सभी निवासी क्वा. नं. ८६८ प्रकाश ट्रेडर्स के पास एकता चौक कैलाश नगर कुरूद भिलाई

पक्षकार -
भूमिन्दर सिंह पपोसा पिता फत्ते लाल वर्मा
निवासी - 47/2 नेहरू नगर, भिलाई तह. व जिला दुर्ग

विरूद्ध

अनावेदक- रोशन लाल पिता फत्ते लाल वर्मा एवं अन्य

आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 20231010100062/31-6/वर्ष 2023-24 आवेदक भूमिन्दर सिंह पपोसा पिता/पति/विभाग-स्व. जगदीश सिंह पपोसा पता- नेहरु नगर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका तहसील व जिला दुर्ग की भूमि खसरा न. 1594/11 रकबा 0.030 हे./3240 वगर्फीट भूमिस्वामी हक की भूमि है! उपर वर्णित भूमि में 220 वगर्फीट भाग पर अनावेदक रोशन लाल पिता फत्ते लाल वर्मा द्वारा दीवाल लगाकर कब्जा किया गया है! को आवेदक अधिवक्ता सचिन कुमार खोब्रागडे द्वारा धारा 250 छ.ग. भू राजस्व संहिता के तहत अनावेदक से वाद ग्रस्त भूमि का कब्जा मुक्त दिलाये जाने हेतु न्यायालय में प्रस्तुत किया है!

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 30/07/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज 14/7/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202607101000130

विषयः- अ-6 अ
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
कुरूद प.ह.न. 00046 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार मो० अनीस, अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो० अनीस पिता/पति/विभाग-नबी बक्स पता-खुर्सीपार भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 1383/1 रकबा 0.009 है. को आवेदक द्वारा क्रय किया जाकर ऋणपुस्तिका प्राप्त कर लिया गया है किन्तु उक्त भूमि वर्तमान पटवारी अभिलेख में आवेदक के स्थान अन्य नाम प्रदर्शित हो रहा है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है!

उपरोक्त भूमि का नामान्तरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनाक 30/07/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है! निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा !

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/07/2026 को जारी किया जाता है।

DIKESHWAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

"Be The Hope" विषय पर सेंट थॉमस कॉलेज में प्रेरणादायक सेमिनार का आयोजन

सोनू सूद चैरिटी क्लब ने बीएड विद्यार्थियों को समाज सेवा के लिए किया प्रेरित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेंट थॉमस कॉलेज, रुआबांधा में मंगलवार को बीएड विद्यार्थियों के लिए "Be The Hope" विषय पर एक विशेष सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सोनू सूद चैरिटी क्लब, भिलाई द्वारा किया गया। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सामाजिक सेवा, मानवता और दूसरों के जीवन में उम्मीद बनने के लिए प्रेरित करना था। इस दौरान विद्यार्थियों को सामाजिक कार्यों के महत्व, जरूरतमंदों की सहायता और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में युवाओं की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया।

सुमिता साल्वे ने किया संबोधित

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि सूद चैरिटी फाउंडेशन की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुमिता साल्वे जूम के माध्यम से विद्याथिर्यो से जुड़ीं। उन्होंने युवाओं से समाज सेवा से जुड़ने, जरूरतमंदों की मदद करने और सोनू सूद चैरिटी क्लब के माध्यम से बदलाव लाने का आह्वान किया। उनके प्रेरणादायक विचारों से छात्र-छात्राएं काफी प्रभावित हुए। सोनू सूद चैरिटी फाउंडेशन की प्रेरणादायक यात्रा और भिलाई क्लब द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सामाजिक अभियानों की जानकारी भी दी गई।

विद्यार्थियों में दिखा उत्साह

कार्यक्रम के बाद बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सामाजिक कार्यों में रुचि दिखाई और सोनू सूद चैरिटी क्लब, भिलाई से जुड़कर सेवा कार्यों में योगदान देने की इच्छा जताई। कार्यक्रम में क्लब की अगुवाई दीक्षा नागदेवे मेश्राम ने की। इस अवसर पर वरिष्ठ सदस्यों में गिरीश खापड़े, विकास जायसवाल, आनंद प्रधान, जयंत प्रसाद, डिंपल चावला एवं विकास यादव उपस्थित थे।

युवा सदस्यों में आन्या नागदेवे, यशमीन शेख, ओशिन नागदेवे, मनीषा, आयुषी ललवानी, अरमान भारती, हर्षवर्धन, अरुण, आर्यन सियान एवं अभिषेक शामिल रहे। सेमिनार ने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि छोटे-छोटे प्रयासों से भी समाज में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं और हम सब जरूरतमंदों के लिए आशा की किरण बन सकते हैं।

राहुल गांधी की हिरासत पर कांग्रेस नेता अरुण वोरा— "जननायक की आवाज को हथकड़ियों से नहीं बांधा जा सकता"

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नई दिल्ली में मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे कांग्रेस नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने पहले नेताओं से धरना समाप्त कर स्थान खाली करने का अनुरोध किया, लेकिन प्रदर्शन जारी रहने पर उन्हें हिरासत में ले लिया। कांग्रेस का कहना है कि यह प्रदर्शन देश के छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों तथा उनकी मांगों को लेकर आयोजित किया गया था। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि छात्रों की आवाज उठाने के बजाय सरकार ने लोकतांत्रिक विरोध को बलपूर्वक रोकने का प्रयास किया। इसी मुद्दे पर पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने केंद्र सरकार की कारर्वाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना पर गंभीर आघात है।

अरुण वोरा ने कहा,"सत्य को दबाया जा सकता है, पराजित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, "आज हमारे जननेता, राहुल गांधी एवं करोड़ों भारतीयों की आवाज को जिस बर्बरता, क्रूरता और दमनकारी तरीके से कुचलने का प्रयास किया गया, वह भारतीय लोकतंत्र और संविधान की आत्मा पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश के छात्रों, युवाओं और वंचित वर्गों की पीड़ा को सरकार तक पहुँचाने का अपना लोकतांत्रिक दायित्व निभा रहे थे। वे उनके अधिकारों, भविष्य और सम्मान की बात कर रहे थे, लेकिन संवाद का रास्ता अपनाने के बजाय सत्ता ने दमन का मार्ग चुना। छात्रों की आवाज केवल उनके भविष्य की नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की आवाज है, और उसके साथ खड़ा होना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का संवैधानिक दायित्व है। देश के लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़े प्रश्नों को संसद में उठाने तथा NEET परीक्षा में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जाँच और व्यापक चर्चा की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सांसदों के साथ शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक विरोध दर्ज कराया। यदि सत्ता जनता की आवाज को बलपूर्वक दबाने का प्रयास करती है, तो यह लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक मूल्यों के प्रति गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सत्य, संविधान, लोकतंत्र और देश की जनता की आवाज के साथ अडिग होकर खड़ी है और आगे भी पूरी शक्ति के साथ खड़ी रहेगी।कांग्रेस इस कारर्वाई की कड़े शब्दों में निंदा करती है और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।

रायपुर में मजदूर की हत्या

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर में एक मजदूर की हत्या से सनसनी फैल गई। कोतवाली थाना क्षेत्र में यातायात थाना के सामने स्थित एक कॉम्प्लेक्स के बाहर मजदूर का खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान नेहरू नगर निवासी प्रकाश हरिजन के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि अज्ञात हमलावर ने मजदूर के सिर पर धारदार हथियार से वार कर उसकी हत्या कर दी। आशंका जताई जा रही है कि वारदात तड़के सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच हुई। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, जबकि मृतक का शव कॉम्प्लेक्स के बाहर ही पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके साथ ही सिविल लाइन एसीपी, एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं, जबकि पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100